वर्ष-14 - अंक 111
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
गुरुवार ,30 जुलाई 2026

RNIÐNoÐ UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

श्रावण मास की तैयारियों का महापौर ने लिया जायजा..... 3
बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर 4
मलिहाबाद में जमीन विवाद को लेकर पीड़ित परिवार ने लगाया पुलिस पर दबाव 08

राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में छात्र आंदोलन, कथित पुलिस कार्रवाई और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर बुधवार को लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों के बाद सदन में राजनीतिक टकराव और बढ़ गया। विपक्षी दलों ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा और

विपक्ष की मांग माफी की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की है। समाजवादी पार्टी सांसद नीरज मौर्य ने सदन में हुए हंगामे के लिए सत्ता पक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जब नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रख रहे थे, तब लगातार व्यवधान उत्पन्न किया गया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे तथ्यों के साथ सदन में अपना पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी ने केवल छात्रों से जुड़े मुद्दे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की कि यदि पुलिस कार्रवाई हुई है तो उसके आदेश देने वालों की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने कहा कि पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन का मुद्दा देशभर से जुड़ा हुआ है, इसलिए संसद में इस पर चर्चा होना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

कहा कि पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है, इसलिए कार्रवाई की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वहीं सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी के आरोपों पर आपत्ति जताई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि पूरे मामले को शब्दों के जरिए भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि छात्रों पर पुलिस बल का इस्तेमाल हुआ है तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि कार्रवाई के आदेश किसने दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के नियंत्रण में है, इसलिए सदन में उठाए गए सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है और पुलिस आयुक्त भी वहीं से निर्देश प्राप्त करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार को जवाब देना चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा कि

पंजाब में पेपर लीक मामलों की जांच की मांग, हरसिमरत बादल ने गृहमंत्री से लगाई गुहार

चंडीगढ़(एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में सामने आए परीक्षा पेपर लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने बुधवार को गृहमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश में पेपर लीक के कथित 11 मामलों की जांच के लिए आदेश जारी करने का आग्रह किया। हरसिमरत बादल ने कहा कि

पेपर लीक का मामला केवल परीक्षा व्यवस्था की खामी नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक होने से करीब पांच लाख छात्रों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। शिअद सांसद ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार पेपर लीक मामलों की जांच को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच होती है तो सरकार से जुड़े कई लोगों की जिम्मेदारी तय हो सकती है। इसलिए केंद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप कर दोषियों तक पहुंचना चाहिए। हरसिमरत बादल ने कहा कि राज्य में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और पंजाब अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (पीएसएसएसबी) की कार्यप्रणाली में गंभीर खामियां सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और मंत्रियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामलों में जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित विभागों के प्रमुखों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह को हटाया गया और न ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चयन बोर्ड से जुड़े मामलों में नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार की। अकाली नेता ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियों के कारण युवाओं का सरकार की भर्ती परीक्षाओं पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने बताया कि कई मामलों को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिसके बाद कुछ भर्ती प्रक्रियाओं में अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि एक्साइज इंस्पेक्टर समेत कई भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ऐसे मामलों में पारदर्शी जांच जरूरी है, ताकि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके। हरसिमरत

ई-20 पेट्रोल को लेकर केजरीवाल का केंद्र पर हमला

बोले- 2023 से पहले के 30 करोड़ वाहन हो सकते हैं प्रभावित

नई दिल्ली(एजेंसी)। ई-20 पेट्रोल को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2023 से पहले निर्मित करीब 30 करोड़ वाहन ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों पर

बादल ने गृहमंत्री को हाल ही में फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा में सामने आई कथित गड़बड़ियों का भी हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक संगठित गिरोह ने अभ्यर्थियों से बड़ी रकम लेकर परीक्षा में मदद पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ अनियमितताओं को स्वीकार किया है, लेकिन पेपर लीक होने की बात से इनकार किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह स्थिति युवाओं के बीच असंतोष पैदा कर रही है। शिअद सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वर्ष 2023 में पंजाब स्टेट टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (पीएसटीईटी) का पेपर लीक होने की बात स्वीकार की थी। इसके बावजूद अब तक ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि पंजाब में परीक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी पेपर लीक मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दबाव बना रही है, जिसके कारण कंपनियां ई-20 पेट्रोल से जुड़े संभावित तकनीकी प्रभावों पर सार्वजनिक रूप से जानकारी देने से बच रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने देश में पेट्रोल से चलने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन बनाने वाली 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा था कि क्या वर्ष 2023 से पहले बने वाहनों में ई-20 पेट्रोल सुरक्षित है। उन्होंने कंपनियों से यह भी सवाल किया था कि यदि ई-20 को सुरक्षित बताया जाता है और बाद में वाहन में खराबी या माइलेज में कमी आती है तो क्या कंपनियां उपभोक्ताओं को मुआवजा देने के लिए तैयार होंगी। उन्होंने दावा किया कि किसी भी कंपनी ने उन्हें लिखित जवाब नहीं दिया, हालांकि कुछ कंपनियों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत हुई। केजरीवाल के अनुसार, अधिकारियों ने निजी बातचीत में पुराने वाहनों में ई-20 पेट्रोल के उपयोग से इंजन, फ्यूल सिस्टम और अन्य पुर्जों पर असर

पड़ने की आशंका जताई है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियां दबाव के कारण इसे सार्वजनिक नहीं कर रही हैं। आप संयोजक ने कहा कि देश में वर्ष 2023 से पहले बने करीब 22 करोड़ दोपहिया और 8 करोड़ चारपहिया वाहन हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि इन वाहनों में ई-20 पेट्रोल का अनिवार्य इस्तेमाल किया गया तो वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल की उपयोगिता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इथेनॉल मिश्रित ईंधन की ऊर्जा क्षमता सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम होती है, जिससे वाहनों के माइलेज पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से ई-20 नीति से जुड़े सभी तकनीकी परीक्षण, रिपोर्ट और उपभोक्ता सुरक्षा से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर ई-20 ईंधन नीति के खिलाफ आयोजित होने वाले 'नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20' कार्यक्रम को रोकने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

संक्षिप्त ख़बरें

भारतीय नाविकों के लिए डीजीएमए की एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। अदन की खाड़ी और अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र से गुजरने वाले समुद्री मार्गों पर बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के बीच समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की है। यह सलाह उन सभी भारतीय तथा विदेशी ध्वज वाले जहाजों के लिए जारी की गई है, जिन पर भारतीय नाविक तैनात हैं। डीजीएमए ने जहाज मालिकों, जहाज संचालकों, कप्तानों, कंपनी सुरक्षा अधिकारियों (सीएसओ) तथा भर्ती एवं नियुक्ति सेवा लाइसेंस (आरपीएसएल) एजेंसियों को निर्देश दिया है कि इस संवेदनशील समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए और समुद्री डकैती व अन्य सुरक्षा खतरों से बचाव के लिए बेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिस (बीएमपी-5) के नवीनतम दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। एडवाइजरी ऐसे समय जारी की गई है, जब अप्रैल 2026 से अदन की खाड़ी और अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र में समुद्री डकैती की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने जहाजों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया है। महानिदेशालय ने निर्देश दिया है कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्र (एचआरए) में प्रवेश करने से पहले प्रत्येक जहाज की सुरक्षा से जुड़े संभावित खतरों का व्यापक आकलन किया जाए।

12 वर्ष से जेल में बंद इंडियन मुजाहिदीन के दो आरोपितों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े मामले में वर्ष 2014 से जेल में बंद दो आरोपितों मोहम्मद साकिब अंसारी और वकार अजहर को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि मुकदमे में अत्यधिक देरी के कारण उनकी लगातार हिरासत संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि दोनों आरोपित लगभग 12 वर्षों से न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि मुकदमे के शीघ्र पूरा होने की कोई संभावना दिखाई नहीं देती। अदालत ने माना कि मुकदमे की प्रगति बेहद धीमी रही है और इस स्थिति में अनिश्चितकाल तक हिरासत उचित नहीं ठहराई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि मामले के एक सह-आरोपी को पहले ही जमानत मिल चुकी है। अदालत ने पाया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ दिल्ली और राजस्थान में दर्ज मामलों में कई आरोप समान प्रकृति के हैं।

दिव्यांगों के लिए सुलभता नियम मजबूत करने के निर्देश

नई दिल्ली(एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक स्थानों और सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह दिव्यांगजन अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के तहत तैयार किए गए नियमों के मसौदे पर विशेषज्ञों और याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार करे। अदालत ने कहा कि नियमों को अंतिम रूप देने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि उनमें कोई कमी न रह जाए और वे अधिनियम के उद्देश्य को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकें। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि राजपत्र

अदालत ने कहा कि नियमों को अंतिम रूप देने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि उनमें कोई कमी न रह जाए और वे अधिनियम के उद्देश्य को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकें। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि राजपत्र में अधिसूचना जारी करने से पहले प्राप्त सुझावों का समुचित परीक्षण किया जाए। अदालत ने कहा कि नियम दिव्यांगजनों को सार्वजनिक सुविधाओं तक बेहतर पहुंच दिलाने में सहायक होंगे।

में अधिसूचना जारी करने से पहले प्राप्त सुझावों का समुचित परीक्षण किया जाए। अदालत ने कहा कि मजबूत और व्यावहारिक नियम दिव्यांगजनों को सार्वजनिक सुविधाओं तक बेहतर पहुंच दिलाने में सहायक होंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यह भी पाया कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा अंडमान एवं निकोबार सहित 11 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत राज्य आयुक्तों की नियुक्ति नहीं की गई है। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए अदालत ने सभी संबंधित राज्यों को चार सप्ताह के भीतर राज्य आयुक्त नियुक्त करने का निर्देश दिया और कहा कि आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा मुख्य आयुक्त तथा उनकी सहायता के लिए दो आयुक्तों की नियुक्ति नहीं किए जाने पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर इन पदों पर नियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही मामले में अनुपालन हलफनामा दाखिल करने के आदेश देते हुए अगली सुनवाई अगले वर्ष जनवरी में तय की।

ममता ने चुनाव आयोग से जल्द निर्णय की मांग की

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) में असली पार्टी को लेकर चल रहे विवाद के बीच पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से मामले का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की है। उन्होंने आयोग को पत्र भेजकर कहा कि उनके गुट ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत कर दिया था, जबकि प्रतिद्वंद्वी गुट को दो बार समय बढ़ाए जाने के बावजूद अब तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा कि चुनाव आयोग ने उनके गुट को 6 जुलाई 2026 तक जवाब दाखिल करने का समय दिया था और उन्होंने तय समय के भीतर सभी तथ्य एवं दस्तावेज आयोग को उपलब्ध करा दिए। इसके बाद आयोग ने प्रतिद्वंद्वी गुट को पहले 10 जुलाई और फिर 25 जुलाई तक अतिरिक्त समय दिया,

लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी उनकी ओर से कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि दो बार समय बढ़ाने के बाद भी प्रतिद्वंद्वी पक्ष अपना जवाब दाखिल नहीं कर पाया है, तो यह माना जा सकता है कि उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और तर्कों का प्रभावी उत्तर उनके पास नहीं है। ऐसे में मामले में अनावश्यक देरी उचित नहीं है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त समय का उपयोग प्रतिद्वंद्वी गुट अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए कथित तौर पर नए और भ्रामक साक्ष्य तैयार करने में कर रहा है।

संसदीय नियमों का पालन नहीं कर पाए राहुल : संबित पात्रा

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रेस वार्ता के बाद भारतीय जनता पार्टी ने उनके आरोपों का जवाब देते हुए पलटवार किया। भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी का यह दावा गलत है कि उन्हें संसद में अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी तथ्यों से ध्यान भटकाने और भ्रम की स्थिति पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में संबित पात्रा ने कहा कि पूरे दिन आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, जबकि इस विषय पर चर्चा संसद के भीतर होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां ऐसी बनीं कि भाजपा को देर रात मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखना पड़ा। पात्रा ने कहा कि संसद में 45 सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिला और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अपनी बात रखी। ऐसे में राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने का आरोप तथ्यहीन है। उनके अनुसार, राहुल गांधी को भी पर्याप्त समय दिया गया, लेकिन वह संसदीय नियमों के अनुरूप अपनी बात नहीं रख सके।

असम में बाढ़ से मौतों का आंकड़ा 75 पहुंचा, अमित शाह ने हिमंत से की बात

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। इस वर्ष बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से फोन पर बातचीत कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि गृह मंत्री ने राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां तथा

आवश्यक संसाधन राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए उपलब्ध रहेंगे। उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा अवसर है, जब अमित शाह ने असम की बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री से बातचीत की है। इससे पहले 23 जुलाई को भी उन्होंने हालात की समीक्षा की थी। इस बीच कांग्रेस ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग तेज कर दी है। कांग्रेस विधायक जॉय प्रकाश दास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने की मांग करते हुए मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य के सभी कांग्रेस विधायक अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में केंद्र सरकार से असम के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की मांग की। उनका कहना है कि बाढ़ से राज्य में व्यापक जन-धन की हानि हुई है और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। इधर, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी एवं फिल्म निर्माता रिंकी भुइयां सरमा ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त 50 विद्यालयों के पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि यह राशि उनकी फिल्म 'कोकादेउता नाती अरु हाथी-2' से होने वाली आय से उपलब्ध कराई जाएगी।

सीआईएसएफ का पहला महिला क्विक रिएक्शन टीम बैच पास आउट

बेंगलुरु(एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सुरक्षा अभियानों में महिलाओं की भूमिका को नई पहचान देते हुए अपना पहला महिला क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) बैच तैयार कर लिया है। बेंगलुरु स्थित सीआईएसएफ की 10वीं रिजर्व बटालियन में आयोजित भव्य पासिंग आउट परेड के साथ इस ऐतिहासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। इसी के साथ 10वीं रिजर्व बटालियन को आधिकारिक रूप से सीआईएसएफ का महिला क्यूआरटी प्रशिक्षण केंद्र घोषित किया गया है। इस पहले बैच की महिला कमांडो को उच्चस्तरीय सामरिक अभियानों, आमने-सामने की करीबी लड़ाई (क्लोज-क्वार्टर बैटल), आतंकवाद-रोधी कार्रवाई और आपातकालीन सुरक्षा अभियानों के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण

का उद्देश्य उन्हें किसी भी आकस्मिक सुरक्षा चुनौती का तेजी और प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान महिला कमांडो को जटिल शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाने, बंधक संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने, आतंकवादी हमलों का जवाब देने, त्वरित प्रतिक्रिया, आधुनिक हथियारों के संचालन और रिफ्लेक्स फायरिंग का गहन अभ्यास कराया गया। इसके अलावा देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित विशेष अभ्यास भी शामिल किए गए। पासिंग आउट परेड की मुख्य अतिथि सीआईएसएफ (एयरपोर्ट सेक्टर) की अपर महानिदेशक बिनीता ठाकुर ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा व्यवस्था में महिलाएं अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल एक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। उन्होंने महिला कमांडो से अनुशासन, साहस और उत्कृष्टता का उदाहरण बनकर भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बिनीता ठाकुर ने बटालियन परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित समर्पित क्यूआरटी प्रशिक्षण क्षेत्र का उद्घाटन भी किया। यहां महिला कमांडो को वास्तविक संकट जैसी परिस्थितियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनकी परिचालन क्षमता और अधिक मजबूत होगी। सीआईएसएफ लगातार महिलाओं को अग्रिम सुरक्षा मोर्चों और चुनौतीपूर्ण अभियानों में शामिल करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

जूना अखाड़े ने कुंभ-2027 की प्रमुख तिथियां घोषित, एक दिसंबर को होगा भूमि पूजन

प्रयागराज(एजेंसी)। श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाकुंभ-2027 से जुड़े अपने पारंपरिक धार्मिक कार्यक्रमों की प्रमुख तिथियों की घोषणा कर दी है। अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरी गिरी महाराज की अध्यक्षता में ज्योतिषाचार्यों ने शुभ मुहूर्त के अनुसार सभी तिथियां निर्धारित कीं। घोषित कार्यक्रम के अनुसार 21 नवंबर 2026 को जूना अखाड़े के पंच परमेश्वर, रमता पंच एवं जमात गोधूलि बेला में नगर प्रवेश करेंगे। इसके बाद एक दिसंबर 2026 को शुभ अभिजीत मुहूर्त में कुंभ मेला प्रशासन द्वारा आवंटित भूमि पर विधि-विधान से भूमि पूजन किया जाएगा। अखाड़े की ओर से 23 दिसंबर 2026 को दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर शुभ अभिजीत मुहूर्त में धर्म

ध्वजा स्थापित की जाएगी। वहीं 14 जनवरी 2027 को पारंपरिक शाही अंदाज में पेशवाई निकाली जाएगी, जो कुंभ मेले के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल होती है। श्रीमहंत हरी गिरी महाराज ने कहा कि महाकुंभ-2027 की तैयारियां निर्धारित परंपराओं के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि मेला प्रशासन अखाड़ों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है, जिससे श्रद्धालुओं और संत समाज को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संक्षिप्त खबरें

पूर्णिमा ज्ञान, संस्कार और कर्तव्य के प्रति समर्पण का पर्व- कनक लता

देवरिया। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष व्यास यादव तथा संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति का जीवन सामाजिक समरसता, श्रम और सम्मान की संस्कृति का प्रेरक है। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, समान अवसर और सभी वर्गों के सम्मान की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है। पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह ने कहा कि गुरु है। महाराजा दक्ष प्रजापति के आदर्श आज भी समाज को न्याय, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दीनानाथ कुशवाहा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरु वह दिव्य प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान प्रकाश देते- एसडीएम

सहजनवा/गोरखपुर: गुरु वह दिव्य प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान संस्कार और सफलता का मार्ग दिखाते है।उनके मार्गदर्शन से ही जीवन को सही दिशा का उद्देश्य मिलता है। उक्त बाते उपजिलाधिकारी सहजनवा नमन मेहता ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। वही तहसीलदार सहजनवा राकेश कन्नौजिया ने कहा कि गुरु का पद सबसे सर्वोपरि होता है। इनके ज्ञान से ही हम सबका विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत उपाध्याय को अधिवक्ताओं ने गुरु की मान्यता देते हुए फूलमालाओं से लाद कर स्वागत किया। कार्यक्रम संचालन तहसील बार एसोशिएसन अध्यक्ष के0के0 त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सभी मौजूद अधिवक्ताओं को मिष्ठान भी कराया गया। इस अवसर पर तहसील बार एसोशिएसन मंत्री राघवेंद्र सिंह,बुद्धिसागर यादव, अनिल कुमार त्रिपाठी सुधाकर त्रिपाठी, भूपेश त्रिपाठी, सतीश कुमार, पंकज श्रीवास्तव, जन्मेजय सिंह, गणेश, सतीश कन्नौजिया, सुग्रीव, तारकेश्वर चौरसिया, सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा पर संत-महात्माओं का हुआ सम्मान

श्री चित्रगुप्त मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल रहे मुख्य अतिथि

पडरौना। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को पडरौना नगर स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में संत-महात्माओं एवं गुरुजनों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में नगर मंडल अध्यक्ष भुवनेश्वर मिश्रा एवं मनोज शर्मा के नेतृत्व में चित्रगुप्त मंदिर के पीठाधीश्वर एवं पूज्य महंत अजय श्री दास जी महाराज को अंगवस्त्र एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु समाज को ज्ञान, संस्कार और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गुरुजनों का सम्मान हमारी गौरवशाली परंपरा का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम में देवेंद्र मिश्रा, विष्णु जायसवाल, कन्हैया कुशवाहा, संतोष यादव, पिंटू साह सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संत-महात्माओं का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रावण मास को लेकर निगोहां थाने में पीस कमेटी की बैठक

.....थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कनोजिया बोले— अफवाहों से रहें सतर्क, कांवड़ यात्रा व धार्मिक आयोजनों में पुलिस का करें सहयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा एवं अन्य धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को निगोहां थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कनोजिया ने की। इसमें ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, समाजसेवियों तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में श्रावण मास के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़, कांवड़ यात्रा, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने सभी से धार्मिक आयोजनों को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। रविंद्र कुमार कनोजिया ने कहा कि श्रावण मास के दौरान पुलिस पूरी सतर्कता के साथ क्षेत्र की निगरानी करेगी और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों से सावधान रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में मौजूद ग्राम प्रधानों, धर्मगुरुओं एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को आश्वस्त किया कि श्रावण मास के दौरान सभी धार्मिक कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में वे पूरा सहयोग देंगे। अंत में सभी ने क्षेत्र में शांति, भाईचारा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लेते हुए पुलिस-प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने का भरोसा जताया।

गेहूं की बोरियां चोरी, किसान की तहरीर पर मुकदमा

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र अंतर्गत दाऊदपुर मजरा गोविंदपुर गांव में किसान के घर से गेहूं की बोरियां चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी संतोष कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह वह बखारी में जानवरों के लिए चारा लेने पहुंचे तो वहां रखी गेहूं की कुछ बोरियां गायब थीं। बखारी में भूसा बिखरा मिला, जिससे चोरी की आशंका हुई। सूचना पर पहुंची डायल-112 पुलिस ने निरीक्षण के बाद थाने में तहरीर देने को कहा। पीड़ित का आरोप है कि घर से गांव निवासी एक व्यक्ति के दरवाजे तक गेहूं के दाने बिखरे मिले, जिसके आधार पर उसने चोरी की आशंका जताई है। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रावण माह को लेकर पुलिस अलर्ट, शांति व्यवस्था पर रही विशेष फोकस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। श्रावण माह के दौरान शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को मोहनलालगंज कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसीपी राजेश कुमार सिंह ने की। इसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। एसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि श्रावण माह आस्था और श्रद्धा का पर्व है, जिसे सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने लोगों से एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने तथा किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना पर विश्वास न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले भड़काऊ या भ्रामक संदेशों को न तो साझा करें और न ही उन पर भरोसा करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। एसीपी ने स्पष्ट किया कि श्रावण माह के दौरान प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों, कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। शांति व्यवस्था भंग करने या धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और श्रावण माह के दौरान क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत उत्सव का समापन, हिंदी विभाग ने विजेताओं को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की ओर से आयोजित दीक्षांत उत्सव का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विभाग द्वारा दीक्षांत सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि सभ्यताएं समय के साथ बदलती रहती हैं और विद्यार्थी ही भविष्य की सभ्यताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि संस्कृति निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी विभाग सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को लगातार मंच प्रदान करता रहा है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। समारोह में भाषण, निबंध और काव्य पाठ प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अलका पांडे ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने प्रस्तुत किया। 'हिंदी : लोकल से ग्लोबल' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अनमोल तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कल्याणि विहंगा द्वितीय, आशना चौरसिया तृतीय और सौम्या अवस्थी को सांत्वना पुरस्कार मिला। 'भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था कैसे बना?' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रेम प्रकाश मिश्रा (पीएचडी कोर्स वर्क) ने प्रथम स्थान हासिल किया। शुभम त्रिवेदी (परास्नातक) द्वितीय, आकाश कुमार प्रजापति (परास्नातक) तृतीय तथा अनमोल तिवारी (परास्नातक) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में अलीगढ़ के गुलवीर सिंह ने जीता रजत पदक

लखनऊ। कॉमनवेल्थ गेम्स में अलीगढ़ के लाल गुलवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अतरौली विधायक संदीप सिंह ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संदीप सिंह ने कहा कि गुलवीर सिंह की यह उपलब्धि केवल अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने बताया कि गुलवीर सिंह अलीगढ़ जनपद के ब्लॉक बिजौली स्थित कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिरसा के पूर्व छात्र रहे हैं। विद्यालय स्तर से शुरू हुई उनकी खेल यात्रा आज अंतरराष्ट्रीय सफलता तक पहुंची है। बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पेपर लीक और नकल माफिया पर कसेगा शिकंजा, दोषियों को मिलेगा शीघ्र कठोर दंड : केशव प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा में पारित 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को युवाओं के सुरक्षित भविष्य और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से पेपर लीक, नकल और परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और अधिक प्रभावी एवं कठोर होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के हितों की रक्षा और भर्ती एवं परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक मेहनती और प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के अधिकारों की रक्षा करेगा तथा परीक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत करेगा। श्री मौर्य ने कहा कि नए प्रावधानों के तहत पेपर लीक और अन्य अनुचित साधनों में शामिल दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विधेयक में जांच प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत जांच को दो माह के भीतर पूरा करने तथा आरोप पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर मुकदमे की सुनवाई पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था से ऐसे मामलों में शीघ्र न्याय मिल सकेगा और दोषियों को जल्द सजा दिलाई जा सकेगी। इससे परीक्षा माफिया और अनुचित गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत और उनके सपनों के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रत्येक योग्य और प्रतिभाशाली विद्यार्थी को निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं न केवल छात्रों के भविष्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करती हैं। ऐसे में यह कानून परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, जवाबदेह और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बच्चों के विवाद में मारपीट महिला समेत दो घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के लालता खेड़ा मजरा रामदासपुर में बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। श्यामलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार शाम पड़ोस में रहने वाली महिला की नाबालिग ननद ने उसके पांच वर्षीय बेटे को थप्पड़ मार दिया। शिकायत करने पर आरोपित पक्ष गाली-गलौज करने लगा और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव में श्यामलाल और उनकी भाभी पूनम घायल हो गईं। पीड़ित ने जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष विवेचना की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इथेनॉल टैंकर पलटा, चालक घायल दस किमी सड़क बंद

आग के खतरे से फायर ब्रिगेड तैनात

सुलतानपुर- भदैया स्थित दोमुहा-सुलतानपुर रोड पर मंगलवार देर रात इथेनॉल से भरा एक टैंकर पलट गया। यह हादसा छतौना गांव के पास हुआ, जिसमें टैंकर चालक गुरमीत सिंह घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बलरामपुर से इथेनॉल लेकर मिर्जापुर जा रहे दो टैंकरों में से एक, यूपी 62 एटी 9688, रात करीब 1 बजे पलट गया। चालक गुरमीत सिंह के अनुसार, सामने से आ रहे एक ट्रेलर ने साइड मारी, जिससे टैंकर का एक पहिया सड़क किनारे जल जीवन मिशन के लिए खोदी गई पाइपलाइन के गड्ढे में चला गया और टैंकर पलट गया। दूसरा टैंकर (यूपी 61 बीटी 3974) सुरक्षित रहा। टैंकर पलटने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल चालक को बाहर निकाला। चालक ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इथेनॉल ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण, मौके पर तत्काल तीन फायर ब्रिगेड वाहन तैनात किए गए। पलटे हुए टैंकर से केमिकल की गंध आ रही थी, जिससे रिसाव की आशंका जताई गई। सुरक्षा के मद्देनजर, पुलिस और प्रशासन ने सुलतानपुर से दोमुहा रोड पर लगभग 10 किलोमीटर तक आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया। दोमुहा चौराहा और भुलकी चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस और बैरियर लगाए गए। सड़क बंद होने से स्कूली वाहनों और आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छत की कुंडी से लटकता मिला किशोर का शव, मचा कोहराम

रोजी-रोटी के लिए कानपुर गए हैं पिता और बड़ा भाई, मां का रो-रोकर बुरा हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर उर्फ बोदरवार में मंगलवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 17 वर्षीय किशोर ने घर के अंदर छत की कुंडी से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर उर्फ बोदरवार निवासी रामरूप चौधरी का 17 वर्षीय पुत्र राजीत चौधरी मंगलवार की रात घर में अकेला था। उसकी मां कुशमावती देवी खेत में धान की सोहनी करने गई थी। देर शाम जब वह काम खत्म कर घर लौटी तो कमरे का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। उन्होंने बेटे राजीत को आवाज दी और दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। काफी देर तक चिल्लाने और प्रयास करने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो मां को किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद जब उन्होंने कमरे की खिड़की से अंदर झांककर देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। राजीत कमरे के अंदर छत की कुंडी के सहारे रस्सी के फंदे से लटक रहा था। मां की चीख-पुकार सुनकर आस-पास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों की मदद से तुरंत परसामलिक पुलिस को इस घटना की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने पुलिस बल और फोरेंसिक टीम के साथ जांच शुरू की। पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर किशोर के शव को फंदे से नीचे उतारा। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, कमाने गए पिता-भाई लौट रहे घर

मृतक की मां कुशमावती देवी ने रोते हुए बताया कि राजीत थोड़ा मंदबुद्धि था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण मृतक के पिता रामरूप चौधरी और बड़ा भाई इंद्रजीत रोजी-रोटी कमाने के सिलसिले में कानपुर गए हुए हैं। घर पर राजीत और उसकी मां ही रहते थे। बेटे की मौत की खबर जैसे ही कानपुर में पिता और बड़े भाई को मिली उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दोनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे कानपुर से घर के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं, इकलौते छोटे बेटे को खोने के गम में मां कुशमावती बार-बार बेहोश हो जा रही है जिन्हें संभालने में ग्रामीण जुटे हैं।इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। शव को फंदे से उतारकर कब्जे में ले लिया गया है। पंचनामा की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पूरी तरह से पता चल सकेगा। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सुल्तानपुर स्टेशन पर आधे-अधूरे फुट ओवरब्रिज पर कांग्रेस का प्रदर्शन

डीआरएम को ज्ञापन सौंपा, मेमो ट्रेन लखनऊ तक चलाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेताओं ने सुलतानपुर में बुधवार 3 बजे उत्तर रेलवे के डीआरएम, लखनऊ को संबोधित एक ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से सौंपा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में रेलवे से जनहित से जुड़े दो प्रमुख मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सुलतानपुर रेलवे स्टेशन के पास पुलिस अधीक्षक आवास के सामने रेलवे क्रॉसिंग पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय से अधूरा है। रेलवे ने क्रॉसिंग बंद कर दी है, लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण विवेकनगर और करौंदिया के स्थानीय निवासी, स्कूली छात्र-छात्राएं और महिलाएं रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार करने को मजबूर हैं।

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण पूरा नहीं कराया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने अधूरे फुट ओवरब्रिज का निर्माण शीघ्र पूरा कराने की मांग की। ज्ञापन में उठाया गया दूसरा प्रमुख मुद्दा वाराणसी के शिवपुर से सुलतानपुर होते हुए चलने वाली मेमो ट्रेन को उतरेटिया तक सीमित रखने के बजाय लखनऊ जंक्शन तक संचालित करने का था। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि इससे प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और राजधानी तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश महासचिव मनोज कुमार शुक्ला, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव विनय त्रिपाठी, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव राहुल मिश्रा, सूचना का अधिकार विभाग के जिलाध्यक्ष विवेक कुमार श्रीवास्तव, युवा नेता मोहम्मद कलीम, कांग्रेस नेता मोहम्मद अतीक तथा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोहम्मद ऐश सहित कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांप के काटने से महिला की मौत, कोहराम

बखारी से गेहूं निकालते समय सांप ने काटा सांप

लंभुआ। लम्भुआ कोतवाली के भगौतीपुर गांव में सांप के काटने से एक महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई है। हादसा उस वक्त हुआ, जब महिला लोहे की बखारी से गेहूं निकालने गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव निवासी किसान राजाराम की पत्नी भगनी (53) गृहणी हैं। मंगलवार की देर शाम वे घर के कमरे में रखे लोहे की बखारी से गेहूं निकालने गई थी। बताते हैं कि बखारी के नीचे ही सांप मौजूद थे। उसी वक्त वहां मौजूद एक विषधर सांप ने उन्हें काट लिया। सांप के काटने से उनकी हालत बिगड़ गई। आनन फानन परिजन उन्हें लेकर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे। पर, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वे अपने पीछे पांच बेटे - बेटियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

युवा साहित्यकार 'देवेश' आज लखनऊ में होंगे सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ (सुल्तानपुर)। प्रो. (डॉ.) विष्णु गिरि गोस्वामी साहित्य एवं संस्कृति मंच के तत्वावधान में आगामी 30 जुलाई 2026, बृहस्पतिवार को निराला सभागार, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में लंभुआ के युवा साहित्यकार देवेश द्विवेदी 'देवेश' को सम्मानित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता पूर्व पुलिस महानिदेशक महेश चन्द्र द्विवेदी करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में भाषा विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) उषा सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मिथिलेश दीक्षित उपस्थित रहेंगी।

समारोह में समीप के देवरी निवासी युवा साहित्यकार एवं अधिवक्ता देवेश द्विवेदी 'देवेश' को विधि भूषण प्रो. डॉ. वी. जी. गोस्वामी स्मृति युवा रचनाकार सम्मान-2026 से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें सम्मान में स्मृति चिन्ह,अंगवस्त्र, साहित्य और सम्मान राशि प्रदान कर अलंकृत किया जायेगा। मालूम हो कि देवेश द्विवेदी 'देवेश' को यह सम्मान हिन्दी भाषा, साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अनेक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं में स्वतंत्र लेखन,स्तंभ लेखन कर पहचान बनाई है जो कि युवाओं के लिए प्रेरणा है। देवेश ने अनेक कृतियों का संपादन भी किया है जिनमें वह तुम हो, जब बसंत के फूल खिलेंगे प्रमुख हैं।

उनकी गम्भीर रचनाओं में बाल मजदूर,आम इंसान,पूरी दुनिया बिक जाएगी एवं हास्य-व्यंग्य रचनाओं में बचवा कलयुग आइ गवा,दिल का दर्द, सजनी से गजनी आदि अत्यंत लोकप्रिय रही हैं। 'देवेश' आकाशवाणी लखनऊ द्वारा अवधी बोली में प्रसारित होने वाले दैनिक कार्यक्रम 'लोकायतन एवं खेती-किसानी' से कार्यक्रम प्रस्तोता के रूप में जुड़े हैं।युवा साहित्यकार एवं अधिवक्ता के रूप में स्थापित 'देवेश' को हिन्दी व अवधी में विशिष्ट योगदान हेतु उन्हें अनेक साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

स्कूटी स्टार्ट न होने पर युवक ने लगाई आग, पूरी तरह जलकर खाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां कस्बे में मंगलवार देर रात एक युवक ने कथित तौर पर नशे की हालत में अपनी स्कूटी में आग लगा दी। देखते ही देखते स्कूटी धू-धू कर जलने लगी और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आग बुझाने के प्रयास किए और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक कस्बा निगोहां निवासी राजकुमार रावत ने पूछताछ में बताया कि उसकी स्कूटी स्टार्ट नहीं हो रही थी। इससे नाराज होकर उसने उसमें आग लगा दी। आग की वजह से स्कूटी पूरी तरह जल गई, जिससे उसका पंजीकरण नंबर भी स्पष्ट नहीं हो सका। युवक भी नशे की हालत में होने के कारण वाहन का नंबर नहीं बता सका। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। प्रथम दृष्टया मामला नशे की हालत में स्वयं द्वारा स्कूटी में आग लगाने का प्रतीत होता है। युवक से पूछताछ की जा रही है तथा मामले की जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गोशालाओं को उत्कृष्ट व आत्मनिर्भर बनाने की नई पहल, प्रदेशभर में होगी प्रतिस्पर्धा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने नई कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश की गोशालाओं को केवल गोवंश संरक्षण केंद्र तक सीमित न रखकर उन्हें उत्कृष्ट, सुव्यवस्थित, उत्पादक और आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक जनपद की गोशालाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली गोशालाओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। बुधवार को आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष अतुल सिंह एवं महेश शुक्ल के साथ सदस्य राजेश सिंह सेंगर, रमाकांत उपाध्याय और दीपक गोयल ने गोशालाओं के समग्र विकास तथा किसानों को गो-आधारित प्राकृतिक खेती से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार

से विचार-विमर्श किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जिले की गोशालाओं का निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें गोशालाओं की व्यवस्थाएं, वैज्ञानिक प्रबंधन, स्वच्छता, गोवंश के स्वास्थ्य एवं पोषण, नस्ल संवर्धन, दुग्ध उत्पादन, जनसहभागिता तथा आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे प्रयास प्रमुख आधार होंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली गोशालाओं को सम्मान एवं पुरस्कार देकर उनके मॉडल को प्रदेश की अन्य गोशालाओं में भी लागू करने का प्रयास किया जाएगा। आयोग ने मूल्यांकन के लिए कई महत्वपूर्ण मानक तय करने का निर्णय लिया है। इनमें वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता, भूसा एवं चोकर का समुचित भंडारण, गुणवत्तापूर्ण पशु आहार का उपयोग, उसके निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि का स्पष्ट उल्लेख, नर-मादा गोवंश एवं बछड़े-बछियों का वैज्ञानिक वर्गीकरण, नस्ल सुधार तथा दुग्ध उत्पादन जैसे बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा नर गोवंश के लिए अलग नंदीशाला की व्यवस्था तथा चयनित नंदियों के माध्यम से वैज्ञानिक प्रजनन प्रणाली को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे गोवंश की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार हो सके। बैठक में गोवंश के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिंक वार्ड, नियमित पशु चिकित्सा, कमजोर एवं बीमार गोवंश तथा छोटे बछड़े-बछियों की अलग देखभाल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही कम ऊंचाई वाली पानी की नांद, पर्याप्त भोजन व्यवस्था, गोवंश की संख्या के अनुरूप शेड, स्वच्छ परिसर, चूना युक्त पानी का उपयोग, सुरक्षित बाउंड्री, अभिलेखों का संधारण, सीसीटीवी निगरानी और सफाईकर्मियों व केयरटेकर के लिए आवश्यक सुविधाओं को भी मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जाएगा। आयोग का लक्ष्य गोशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है। इसके लिए गोबर गैस संयंत्र स्थापित करने, गोबर एवं गोमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग, जैविक खाद तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही आसपास के किसानों को गो-आधारित प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देकर उन्हें जैविक कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। गोशालाओं के मूल्यांकन में स्वस्थ एवं दूध पीने वाले बछड़े-बछियों की संख्या को भी महत्वपूर्ण मानक बनाया जाएगा। आयोग का मानना है कि इससे गोवंश संरक्षण के साथ नस्ल सुधार और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्रावण मास की तैयारियों का महापौर ने लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। आगामी श्रावण मास को देखते हुए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को चौक स्थित कोनेश्वर महादेव मंदिर एवं बुद्धेश्वर महादेव मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान शिव के दर्शन-पूजन कर प्रदेश एवं शहरवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मंदिर परिसरों एवं आसपास की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और नगर आयुक्त गौरव कुमार को निर्देश दिए कि श्रावण मास में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी प्रमुख शिव मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों के आसपास नियमित सफाई, कूड़ा उठान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन के दौरान किसी भी प्रकार की

असुविधा नहीं होनी चाहिए। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि श्रावण मास आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं। नगर निगम की प्राथमिकता मंदिर परिसरों एवं आसपास स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्वक और सुविधाजनक ढंग से पूजा-अर्चना कर सकें। कोनेश्वर महादेव मंदिर में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महापौर ने मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित शिव प्रकाश पाण्डेय से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान पार्षद अनुराग मिश्रा 'अन्नू', पार्षद धर्मेंद्र यादव, पूर्व महानगर महामंत्री भाजपा राम अवतार कन्नौजिया, नगर आयुक्त गौरव कुमार, जोन-6 के जोनल अधिकारी अमरजीत यादव, लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कपूर सहित नगर निगम के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वेदप्रकाश श्रीवास्तव उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित

खाकी का समान, न्याय की मिसाल बना सीओ वेदप्रकाश श्रीवास्तव का सराहनीय काम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। जनपद सीतापुर के महमूदाबाद सर्किल में तैनात पुलिस क्षेत्राधिकारी वेदप्रकाश श्रीवास्तव को तमाम विवेचनाओं में उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए गृहमंत्रालय द्वारा उन्हें उत्कृष्ट विवेचक पदक देकर सम्मानित किया गया। एक सादे समारोह में पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल ने उन्हें उत्कृष्ट विवेचक पदक पहना कर उनका सम्मान करते हुए उनकी सराहना की। उन्हें यह सम्मान एक अंधे कत्ल का सटीक पर्दाफाश करने पर गृहमंत्रालय द्वारा दिया गया है।

एसटीएफ में तैनाती के दौरान इस अत्यंत जटिल संवेदनशील तथा इलेक्ट्रानिक सर्विलांस आधारित अंधे केस का संक्षिप्त समय में सटीक व वैज्ञानिक ढंग से अनावरण करने और आकाट्य साक्ष्य जुटाने के लिए तत्कालीन एसटीएफ निरीक्षक वह वर्तमान क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव के उत्कृष्ट विवेचनात्मक कौशल की उच्च स्तर पर

सराहना की गई एवं इसी उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य हेतु गृहमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट विवेचक पदक दिया गया है जिसे पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल द्वारा उन्हें पहना कर सम्मान किया गया। घटना की पृष्ठभूमि में विगत 30 अगस्त 2023 को सावन मेला ड्यूटी के लिए बावर्दी मनिकापुर से अयोध्या आ रही महिला मुख्य आरक्षी को ट्रेन में अकेला पाकर अभियुक्तों ने आपराधिक बल प्रयोग करते हुए बर्बर हमला किया था। पीड़िता पर जानलेवा हमला कर, गंभीर रूप से घायल कर तथा मृत समझकर अभियुक्त उनका सामान बैग व नगदी आदि लूटकर फरार हो गये थे। उनको यह सम्मान मिलने की खबर मिलते ही क्षेत्र में उनके शुभचिंतकों में खुशी छा गई। मित्रों और शुभचिंतकों ने श्री श्रीवास्तव को इस उपलब्धि के लिए फोन पर तथा उनसे मिलकर उन्हें बधाइयां दीं। बधाइयां देने वालों में अशोक श्रीवास्तव, राकेश कुमार नंद, अमन श्रीवास्तव, लवी श्रीवास्तव, विशाल नंद,शिवम् गुप्ता पोला, डा0 वकील अहमद खान, सबाहुद्दीन, संतोष कुमार वर्मा, हरगोविंद वर्मा व विजय कुमार श्रीवास्तव सहित दर्जनों लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं हैं।

गुरु पूर्णिमा पर सुशील कुमार बच्चा सम्मानित, नीम व बेल के पौधे लगाए।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 29 जुलाई गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जवाहर भवन-इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें गुरु दक्षिणा स्वरूप नीम एवं बेल के पौधे भेंट किए गए, जिन्हें बाद में नेहरू पार्क में रोपित किया गया। महासंघ के उपाध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला ने बताया कि संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से 'एक पेड़ गुरु के नाम' अभियान के तहत नीम और बेल के पौधे भेंट किए गए। सम्मान ग्रहण करने के उपरांत सुशील कुमार बच्चा ने पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ नेहरू पार्क में पौधे लगाए तथा उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री बच्चा ने अमित कुमार शुक्ला के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गुरु का सम्मान करना चाहिए और समय-समय पर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ खैराबाद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा जनपद-सीतापुर के निर्देशन मे विकास क्षेत्र-खैराबाद, सीतापुर ईकाई का निर्वाचन 14 मई 2026 को सम्पन्न हुआ था जिसमे पवन कुमार सिंह प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय रस्यौरा विकास क्षेत्र-खैराबाद, सीतापुर को 100 मतों के भारी अन्तर से विजय प्राप्त हुई थी उसी के क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ खैराबाद सीतापुर की कार्यसमिति का गठन एवं नव चयनित पदाधिकारियो का शपथ ग्रहण समारोह शिक्षक भवन कार्यालय भगौतीपुर रोड बिजवार सीतापुर मे सम्पन्न हुआ जहां विकास क्षेत्र-खैराबाद के सैकड़ो शिक्षको ने उपस्थित होकर आपसी सहमति से कार्यसमिति के पदाधिकारियो का मनोनयन किया । कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन अर्चन से हुई सर्व प्रथम ब्लाक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कार्यसमिति के संरक्षक के रूप मे बृजेन्द्र प्रताप सिंह(टीज़पीज़ सिंह), वन्दना

दीक्षित व राजेश कुमार गुप्ता के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सभी शिक्षक शिक्षिकाओ ध्वनि-मत से पारित किया तदुपरान्त कार्यसमिति के विभिन्न पदो पर पदाधिकारियो का मनोनयन किया गया जो इस प्रकार है। जमशेद आलम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी को मंत्री सौरभ जायसवाल को कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह यादव को संयुक्त मंत्री जीनत अंसारी को लेखाकार अनिल कुमार यादव आडीटर दिनेश कुमार शुक्ल, रश्मि शर्मा,प्रियंका चौधरी,पीर मोहम्मद, योगेश पाण्डेय, रूबीना बानो,राकेश प्रसाद अरविन्द त्रिपाठी, विनोद कुमार वर्मा, अभिषेक मिश्र, अनुभूति सिंह, एवं सगीर अहमद को उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार यादव, हसीन फातिमा,अभिषेक मिश्र, जावेद अख्तर, सुशील कुमार गौतम, धर्मेन्द्र पाल,साबरून निशा,सरिता रानी,रूचि तिवारी,अल्का अवस्थी, फरहत इनाम व प्रतिभा को संगठन मंत्री तथा मुकेश कुमार, रीना वर्मा,प्रियासेन गुप्ता, आदित्य मौर्य,रेनू सिंह, मोहम्मद आलम, हसन जमाल रिजवी, त्रिभुवन विश्वकर्मा, अमन बाजपेई, जीतेन्द्र कुमार, सिराज अहमद व जिलेदार को प्रचार मंत्री के पद पर मनोनीत किया गया । इसके उपरान्त श्री राजेश गुप्ता जी द्वारा सभी पदाधिकारियो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गयी एवं संरक्षक श्रीमती वन्दना दीक्षित व बृजेन्द्र प्रताप सिंह जी द्वारा सभी पदाधिकारियो को शुभकामनाये ज्ञापित करते हुए ईमानदारी से सेवा करने का आग्रह किया गया इसके उपरान्त ब्लाक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह द्वारा सभी उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओ एवं नव चयनित शिक्षक पदाधिकारियो का धन्यावाद एवं आभार प्रकट किया गया तथा सूक्ष्म जलपान के बाद सभा विसर्जित कर दी गयी।

संक्षिप्त खबरें

सारनाथ में धम्मचक्क पवत्तन दिवस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

वाराणसी/लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग तथा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, सारनाथ के संयुक्त तत्वावधान में सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार में 29 एवं 30 जुलाई को 'धम्मचक्क पवत्तन दिवस का महत्व' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह होंगे, जबकि इसकी अध्यक्षता महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, सारनाथ के प्रभारी वेन आर. सुमित्थानन्द थेरो करेंगे। आयोजकों के अनुसार संगोष्ठी में देश-विदेश के बौद्ध भिक्षु, विद्वान, शोधकर्ता और बड़ी संख्या में बौद्ध श्रद्धालु भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश धम्मचक्क पवत्तन के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर विभिन्न विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

हर बच्चे को मिलेगी निःशुल्क कानूनी सहायता

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की 'चाइल्ड-फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन स्कीम-2024' के तहत अब 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक पात्र बच्चे को निःशुल्क, सुलभ, सुरक्षित और बाल-अनुकूल विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), लखनऊ ने योजना का व्यापक लाभ जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाने के लिए लोगों से आगे आने की अपील की है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि यह योजना कानून का उल्लंघन करने वाले बालकों, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों, बाल श्रमिकों, मानव तस्करी के शिकार बच्चों, दुर्व्यवहार एवं लैंगिक हिंसा से पीड़ित बच्चों, बाल विवाह, दिव्यांग, अनाथ, परित्यक्त, गुमशुदा तथा अन्य कमजोर एवं संवेदनशील परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करती है।

ऐतिहासिक संगत में धार्मिक अनुष्ठान न होने से श्रद्धालुओं में मायूसी

प्रशासन और आस्था के बीच संतुलन पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर महमूदाबाद की पुरानी और प्रतिष्ठित संगत में गुरु पूजन और दर्शन का लाभ न मिलने के कारण स्थानीय श्रद्धालुओं में भारी निराशा और रोष व्याप्त है। पर्व के दौरान संगत परिसर में पुलिस और पीएसी बल की भारी तैनाती के चलते प्रवेश और पूजा-अर्चना को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का मुख्य विषय बन गई है। क्षेत्रीय निवासियों और संभ्रांत नागरिकों का मानना है कि यदि संगत प्रबंधन अथवा वर्तमान महंत को लेकर किसी प्रकार का विधिक या प्रशासनिक विवाद चल रहा है, तो उसका समाधान न्यायसंगत तरीके से होना चाहिए। गुरुपूर्णिमा का पर्व सीधे तौर पर आस्था और

गुरु-शिष्य की सनातन परंपरा से जुड़ा है। ऐसे में कानून-व्यवस्था की रक्षा के साथ-साथ आम जनता की धार्मिक भावनाओं और वर्षों पुरानी पूजा-परंपराओं का भी समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है। महमूदाबाद की इस ऐतिहासिक संगत से लोगों की गहरी आत्मीय और धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। हर साल इस दिन यहां गुरु वंदना, दर्शन, परिसर की साफ-सफाई और भंडारे जैसे आयोजन होते आए हैं। इस बार इन परंपराओं के बाधित होने से भक्तों के मन में टीस है। बुद्धजीवियों और सामाजिक संगठनों का सुझाव है कि इस गतिरोध को दूर करने के लिए प्रशासन, संगत से जुड़े पक्षों और स्थानीय गणमान्य लोगों को मिलकर संवाद का मार्ग अपनाना चाहिए। विवाद चाहे जो भी हो, उसका शांतिपूर्ण समाधान निकालते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि संगत की पवित्रता, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन बाधित न हों। स्थानीय जनता ने जिला प्रशासन से यह पुरजोर मांग की है कि भविष्य में इस तरह के बड़े धार्मिक पर्वों पर सुरक्षा प्रबंध कड़े करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की भावनाओं का भी पूरा सम्मान किया जाए, ताकि आपसी सौहार्द और परंपरा दोनों की रक्षा हो सके।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस पर आनंद बुद्ध विहार में वर्षावास प्रारंभ, भिक्खुनी अत्तदीपा ने लिया वर्षावास संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 9 जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर मानसरोवर योजना स्थित आनंद बुद्ध विहार, औरंगाबाद खालसा, सेक्टर-पी में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस एवं वर्षावास प्रारंभ कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूज्या भिक्खुनी अत्तदीपा जी ने वर्षावास का शुभारंभ करते हुए आगामी तीन माह तक इसी विहार में निवास कर साधना, अध्ययन एवं धम्म प्रचार-प्रसार करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि आषाढ़ पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध ने बोधगया में ज्ञान प्राप्ति के पश्चात सारनाथ में अपने पांच पूर्व साथियों को प्रथम उपदेश देकर धम्मचक्र प्रवर्तन किया था। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में बौद्ध समाज इस दिन को धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के रूप में मनाता है। इसी दिन बुद्ध संघ की

स्थापना भी हुई थी, जिसके कारण यह दिन बौद्ध परंपरा में गुरु पूर्णिमा के रूप में भी विशेष महत्व रखता है। आनंद बुद्ध विहार समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष

फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाएं, बाढ़ राहत में न हो लापरवाही: मुख्य सचिव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिलाधिकारी नियमित निगरानी कर किसानों के पंजीकरण की गति और तेज करें तथा शत-प्रतिशत किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जिलों में प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, वहां विशेष अभियान चलाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जाए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश में अब तक 2 करोड़ 45 लाख 94 हजार 831 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 85 प्रतिशत है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर

10वें स्थान पर पहुंच गया है। गाजियाबाद और रामपुर ने लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री पूरी कर ली है। वहीं गाटों के अंश निर्धारण का कार्य प्रदेश में 88.92 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अमरोहा, हरदोई, पीलीभीत, शाहजहांपुर, महोबा, बहराइच, हमीरपुर, मुरादाबाद और ललितपुर इस कार्य में अग्रणी जिलों में शामिल हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि 16 अगस्त 2026 से खरीफ फसलों की ई-खसरा पड़ताल (डिजिटल क्रॉप सर्वे) शुरू होगी। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने, पर्याप्त संख्या में सर्वेयरों का चयन एवं प्रशिक्षण कराने तथा सर्वे शुरू होने से पहले उन्हें कार्य आवंटित करने के निर्देश दिए गए। नंद बाबा दुग्ध मिशन की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाए रखने के लिए प्रत्येक गांव में दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाए तथा जनपदवार निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि मिशन के तहत अब 35 प्रतिशत बैंक ऋण की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इच्छुक लाभार्थी स्वयं की वित्तीय व्यवस्था से भी इकाई स्थापित कर सकेंगे तथा स्वीकृत अनुदान की राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। अगस्त माह में प्रत्येक जिले में दुग्ध कॉन्क्लेव आयोजित कर किसानों को योजनाओं की जानकारी देने और उनकी समस्याओं के समाधान की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य सचिव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य पूरी तत्परता, समन्वय और संवेदनशीलता के साथ किए जाएं। प्रभावित परिवारों तक समय पर राशन किट पहुंचाने, जिलाधिकारियों द्वारा नियमित क्षेत्र भ्रमण करने तथा राहत कार्यों की लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने पर भी जोर दिया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव पशुधन मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र, प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू., राहत आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दर्शाया। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है। हाल के दिनों में पूरे देश से इथेनॉल के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं नजर आ रही हैं। मुद्दा सार्वजनिक विमर्श का विषय बना हुआ है। कुछ संगठन आंदोलन की चेतावनी भी दे रहे हैं। ट्रांसपोर्ट यूनियनों के विरोध, विपक्ष की इस मामले में पारदर्शिता की मांग और 'ई-20 जनता पार्टी' जैसे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन कैंपेन लोगों की इस बाबत बढ़ती चिंता को ही दर्शाता है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे को समय रहते गंभीरता से लेने की जरूरत है। सही मायने में ग्राहकों को वारंटी सुरक्षा, लंबे समय तक रखरखाव के खर्च, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की माइलेज और इंजन व अन्य उपकरण खराब होने की जिम्मेदारी के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी ही चाहिए। इस बाबत सरकार द्वारा दी गई केवल सफाई भरोसे का आधार नहीं बन सकती। इसके लिये प्रामाणिक तथ्यों की भी जरूरत है। वहीं सरकार के इस बाबत संकेत से कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिए प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाई जा रही है,से यह पता जरूर चलता कि ई-20 आखिरी पड़ाव न हो। निश्चित रूप से इस तरह के किसी कदम के लिये जनता को विश्वास में लेने और डेटा आधारित पॉलिसी बनाने की जरूरत है। किसी नीति के लाभदायक होने के साथ ही जरूरी है लोगों को यह लगना कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए।

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है। बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है। देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है। इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है। दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा। बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

-नीरज कुमार दुबे

चौमासे में जरूरी बालों की देखभाल

अक्सर हमारे बालों के लिए बारिश का मौसम माफिक नहीं रहता। कंघी में उलझे बालों के गुच्छे और टूटते बाल देखकर परेशानी होती है। विशेषज्ञ इनके पीछे कई कारण बताते हैं जैसे- इस मौसम में ह्यूमिडिटी बहुत बढ़ जाती है। बारिश का पानी अक्सर एसिडिक होता है जो स्कैल्प के पीएच संतुलन को बिगाड़ सकता है। नमी हमारे स्कैल्प यानी सिर की त्वचा पर असर डालती है। स्कैल्प ज्यादा देर तक गीला या नम रहने से हमारे बाल प्राकृतिक रूप से इस नमी को सोख लेते हैं जिससे हेयर शाफ्ट (बालों का बाहरी हिस्सा) फूल जाता है। जिससे बालों का केराटिन स्ट्रक्चर कमजोर हो जाता है जिससे वे रूखे,बेजान और कमजोर हो जाते हैं। साथ ही स्कैल्प पर फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है जिससे रूसी (डैंड्रफ) और खुजली जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। थोड़ी देखभाल से बाल झड़ने की परेशानी को दूर किया जा सकता है-स्कैल्प को साफ रखना सबसे जरूरी है। हवा में मौजूद गंदगी और नमी स्कैल्प पर जमा हो जाती है जिससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं। सप्ताह में दो-तीन बार माइल्ड और एंटी-फंगल शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर बाल बारिश में भीग जाते हैं तो घर आकर साफ पानी से जरूर धोएं और अच्छी तरह सुखाएं। बारिश के पानी में मौजूद प्रदूषक तत्व और गंदगी से बालों का बचाव होगा।बारिश के मौसम में शैंपू के बाद हाइड्रेटिंग कंडीशनर लगाना न भूलें। कंडीशनर बालों की बाहरी परत (क्यूटिकल) को सील करके नमी को लॉक करता है। बालों को रूखे-बेजान और उलझने से बचाता है। लेकिन ध्यान रखें कि कंडीशनर स्कैल्प पर सीधे न लगाकर 2-3 मिनट के लिए बालों की लंबाई और सिरों पर लगाएं। मानसून में फंगल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इससे बचने के लिए एंटी-फंगल ओर एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर नीम बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है। नीम के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा कर लें। इस पानी से शैंपू के बाद आखिरी बार बाल धोएं। इसके अलावा तेल मालिश करते समय तेल में कुछ बूंदें टी-ट्री ऑयल की मिला सकते हैं। इस मौसम में बाल सूखने में ज्यादा समय लेते हैं। गीले बाल कमजोर हो जाते हैं और जल्दी टूटने लगते हैं। लेकिन बालों को तौलिये से जोर-जोर से रगड़ कर सुखाने के बजाय, माइक्रोफाइबर तौलिये या पुरानी कॉटन टी-शर्ट से धीरे-धीरे थपथपा कर सुखाना चाहिए। इससे घर्षण कम होगा और बाल कम टूटेंगे। इसी तरह गीले बालों में कंघी करने से भी जड़ें कमजोर होती है और बाल टूटने लगते हैं। हल्के नम रहने पर ही मोटे दांतों वाली कंघी से धीरे-धीरे बाल सुलझाएं। हेयरस्टाइल भी बालों के झड़ने का बड़ा कारण होता है। मानसून के दौरान बालों की जड़े अनचाहे ही कमजोर हो जाती हैं।

गुरु पूर्णिमा: भगवा ध्वज, हिंदुत्व और राष्ट्र निर्माण की अखंड चेतना

गुरु ही व्यति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए जीने का मार्ग दिखाता है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस महान गुरु परंपरा को एक अनूठी और कालजयी अभिव्यति दी है। संघ में किसी व्यति विशेष को गुरु नहीं माना जाता, बल्कि भगवा ध्वज को गुरु के रूप में वंदन किया जाता है। इसका संदेश अत्यंत स्पष्ट और प्रेरक है-व्यति सीमित होता है, किंतु आदर्श अमर होते हैं।

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित एक जीवंत सांस्कृतिक राष्ट्र है। इसकी आत्मा वेदों, उपनिषदों, ऋषियों, संतों, महापुरुषों और गुरु-शिष्य परंपरा में बसती है। गुरु पूर्णिमा इसी अमर परंपरा का महापर्व है, जो हमें ज्ञान, संस्कार, सेवा और राष्ट्रधर्म के प्रति पुन: समर्पित होने की प्रेरणा देता है।भारतीय जीवन-दर्शन में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह चेतना है जो मनुष्य के भीतर चरित्र, अनुशासन, आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और राष्ट्रभक्ति का प्रकाश प्रज्वलित करती है। गुरु ही व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए जीने का मार्ग दिखाता है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस महान गुरु परंपरा को एक अनूठी और कालजयी अभिव्यक्ति दी है। संघ में किसी व्यक्ति विशेष को गुरु नहीं माना जाता, बल्कि भगवा ध्वज को गुरु के रूप में वंदन किया जाता है। इसका संदेश अत्यंत स्पष्ट और प्रेरक है-व्यक्ति सीमित होता है, किंतु आदर्श अमर होते हैं। भगवा ध्वज त्याग, तप, बलिदान, सेवा, शौर्य, आत्मसंयम और सनातन भारतीय संस्कृति की अखंड चेतना का प्रतीक है। यह प्रत्येक स्वयंसेवक को निरंतर स्मरण कराता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और व्यक्तिगत जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य समाज एवं मातृभूमि की सेवा है। लगभग एक शताब्दी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सेवा, संगठन और राष्ट्रनिष्ठा की ऐसी परंपरा विकसित की है, जिसने भारत के सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य, शिक्षा, ग्राम विकास, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा और जनजागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में स्वयंसेवकों की निस्वार्थ भागीदारी इस विचार को साकार करती है कि राष्ट्र निर्माण केवल विचारों से नहीं, बल्कि सतत सेवा और समर्पण से होता है। हिंदुत्व का वास्तविक स्वरूप भी इसी सांस्कृतिक चेतना में निहित है। हिंदुत्व किसी संकीर्ण आग्रह का नाम नहीं, बल्कि भारत की सनातन सभ्यता, सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्यों का व्यापक दर्शन है। यह सत्य, करुणा, सहअस्तित्व, समरसता, कर्तव्य, आध्यात्मिकता और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' तथा 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे सनातन सूत्र इसी उदात्त दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हैं। राष्ट्रवाद भी केवल राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति आत्मीय श्रद्धा, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानने का जीवन मूल्य है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्य को राष्ट्रसेवा का माध्यम बना लेता है, तभी एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव होता है। आज भारत अपनी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास यात्रा को समान गति से आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प देश ने लिया है, उसकी सफलता केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास, सामाजिक एकता, सेवा भाव और राष्ट्रीय चरित्र की मजबूती से सुनिश्चित होगी। गुरु पूर्णिमा हमें इसी राष्ट्रीय चेतना को अपने जीवन का आधार बनाने का संदेश देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञ रहें, भगवा ध्वज के आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण करें, सनातन संस्कृति के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का भाव पहुँचाएँ। यही सच्चे अर्थों में गुरु परंपरा का सम्मान है और यही भारत को पुन: विश्व के नैतिक एवं सांस्कृतिक नेतृत्व के शिखर पर स्थापित करने का मार्ग भी है। आइए, गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि सेवा हमारा संस्कार बने, समरसता हमारी पहचान बने और 'राष्ट्र प्रथम' हमारा जीवन मंत्र बने। यही गुरु के प्रति सच्चा आदर, सम्मान होगा और यही एक सशक्त, समृद्ध, सांस्कृतिक तथा विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला भी बनेगी।

- नंदन जैन

मेष राशि-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साह और उपलब्धियों से भरा रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा और आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक मजबूत हो सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर प्राप्त होंगे, जबकि यात्रा और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं।

वृष राशि-वृष राशि के लिए आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलेगा और संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

मिथुन राशि-मिथुन राशि के जातकों के लिए आज नई संभावनाओं का द्वार खुल सकता है। व्यापार में आ रही बाधाएं दूर होंगी और आय के नए स्रोत बनने के संकेत हैं। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है। कला, संगीत और सृजनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक वातावरण आनंददायक रहेगा और मन में नए उत्साह का संचार होगा।

कर्क राशि-कर्क राशि के लिए आज का दिन लाभदायक रहने की संभावना है। व्यापार में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं और महत्वपूर्ण समझौते आपके पक्ष में जा सकते हैं। विद्यार्थियों को भविष्य से जुड़े निर्णय लेने में अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि-सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन विशेष सफलता लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का सहयोग आपके भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। विद्यार्थियों का अध्ययन में मन लगेगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छे संकेत मिल सकते हैं।

कन्या राशि-कन्या राशि के लिए आज का दिन उन्नति और सम्मान का संकेत दे रहा है। आपकी प्रतिभा और कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे। नौकरी करने वालों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में यात्रा लाभदायक सिद्ध हो सकती है और निवेश से जुड़े मामलों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी।

तुला राशि-तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन समझदारी और संतुलन बनाए रखने का है। कठिन परिस्थितियों में भी आपका विवेक आपको सफलता की ओर ले जाएगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशि-वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन इच्छापूर्ति और सफलता का संकेत दे रहा है। शिक्षा, प्रतियोगिता और कानूनी मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार में किए गए नए प्रयास लाभदायक सिद्ध होंगे।

धनु राशि-धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन प्रसन्नता और पारिवारिक सुख लेकर आएगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता मिलेगी। व्यापार में विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं।

मकर राशि-मकर राशि के लिए आज का दिन नई संभावनाओं से भरा रहेगा। रोजगार से जुड़े शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और कार्यस्थल पर आपकी कार्यक्षमता की सराहना होगी। योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अपेक्षा से पहले सफलता मिल सकती है।

कुंभ राशि-कुंभ राशि के जातकों को आज अपनी मेहनत का उचित फल मिलने की संभावना है। भूमि, भवन या वाहन से जुड़े रुके हुए कार्य आगे बढ़ सकते हैं। विद्यार्थियों का अध्ययन में मन लगेगा और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन राशि-मीन राशि वालों के लिए आज का दिन संतुलित और सकारात्मक रहेगा। भूमि या संपत्ति से जुड़े किसी भी निर्णय में सावधानी बरतना लाभदायक रहेगा। व्यापार में निवेश भविष्य के लिए लाभकारी साबित हो सकता है, हालांकि अपेक्षित परिणाम मिलने में कुछ समय लग सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

विज्ञान-तकनीक के सहारे सुरक्षित बाघों की दुनिया

हर वर्ष 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाया जाता है। यह दिन बाघ संरक्षण के साथ प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन के गहरे संबंध का स्मरण भी कराता है। बाघ केवल जंगल का राजा नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का प्रहरी है। जहां बाघ सुरक्षित हैं, वहां जंगल जीवित हैं; जहां जंगल सुरक्षित हैं, वहां नदियां बहती हैं, भूजल संरक्षित रहता है और जैव विविधता फलती-फूलती है। तभी कहा जाता है, 'टाइगर रहेगा तो इंसान भी रहेगा।' एक समय अवैध शिकार, जंगलों की सिकुड़न, अनियंत्रित शहरीकरण, खनन, सड़क-रेल परियोजनाओं तथा बढ़ते मानव-बाघ संघर्ष ने बाघों की संख्या को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया था। वर्ष 2006 में देश में केवल 1,411 बाघ शेष बचे थे। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों, वन विभाग, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों तथा विभिन्न संस्थाओं ने समन्वित प्रयास शुरू किए। आज विश्व के लगभग 75 प्रतिशत जंगली बाघ भारत में हैं। यह उपलब्धि केवल संरक्षण नीतियों का परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान, तकनीक और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का प्रमाण है।पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। पहले जहां वनकर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, वहीं आज कैमरा ट्रैप, एआई, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, जीपीएस कॉलर और डिजिटल डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों ने संरक्षण कार्य को अधिक सटीक, पारदर्शी और प्रभावी बना दिया है। कैमरा ट्रैप आज बाघ संरक्षण का सबसे विश्वसनीय उपकरण माना जाता है। ये विशेष कैमरे मोशन सेंसर की सहायता से किसी भी वन्यजीव की तस्वीर या वीडियो स्वत: रिकॉर्ड कर लेते हैं। बाघों की पहचान उनके शरीर पर बनी धारियों से होती है और प्रत्येक बाघ की धारियां मनुष्य के फिंगरप्रिंट की तरह अलग होती हैं। कैमरा ट्रैप से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिक प्रत्येक बाघ की अलग पहचान कर उसकी गतिविधियों, क्षेत्र, प्रजनन और संख्या का सटीक आकलन कर पाते हैं। यही कारण है कि भारतीय बाघ गणना आज दुनिया की सबसे बड़ी वैज्ञानिक वन्यजीव निगरानी परियोजनाओं में गिनी जाती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

चोरी के माल सहित नाबालिग तीनों आरोपी गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- गत रोज एक घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन नाबालिग आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी किए गए सोने चांदी के जेवर और नगदी बरामद कर ली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को बाल सुधार ग्रह भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला गोखले नगर निवासी किशन पुत्र दिनेश रैकवार ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बीती 25 जुलाई को कोंच निवासी अंश उर्फ डुग्गू (14), ओमी झा उर्फ अनुराग (17), छोटू उर्फ बृजेंद्र (17) ने उसके घर में घुसकर अलमारी में रखे साढ़े 20 हजार रुपए नगदी सहित सोने की 6 अंगूठी, चांदी का कड़ा, 14 अदद बिछुआ, थापी और मोबाइल फोन कुल मिलाकर करीब 4 लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने उक्त मामले में उपरोक्त तीनों के खिलाफ दफा 305 में एफआईआर दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह की अगुवाई में उप निरीक्षक सुमित पांडेय, अभिषेक सिंह, भीष्मपाल सिंह ने पुलिस बल के साथ मिलकर उपरोक्त तीनों आरोपियों को मलंगा पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से चोरी किया गया सारा माल और नगदी बरामद कर ली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद बाल सुधार ग्रह ललितपुर भेज दिया है।

377 वाहनों पर एमवी एक्ट के तहत हुई कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 377 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने यातायात पुलिस का सहयोग करें।

बार कौन्सिल के पूर्व चेयरमैन अजय शुक्ला ने डी पी आर ओ के निलंबन और गिरफ्तारी की मांग

लखीमपुर खीरी: डीपीआरओ कार्यालय के कर्मचारी के रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार होने के बाद कार्यालय में आमजन के प्रवेश पर रोक लगाने के विरोध में बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन अजय कुमार शुक्ल ने सतर्कता विभाग के पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने डीपीआरओ की गिरफ्तारी, निलंबन और विभागीय कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ता महासंघ के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सूर्यवंशी ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ जनपद की जनता सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

राज इण्डेन गैस एजेंसी स्वामी पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत कनेक्शन न देने का आरोप

एजेंसी संचालक द्वारा अवैध धनराशि मांगने को लेकर महिला ने डीएम से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

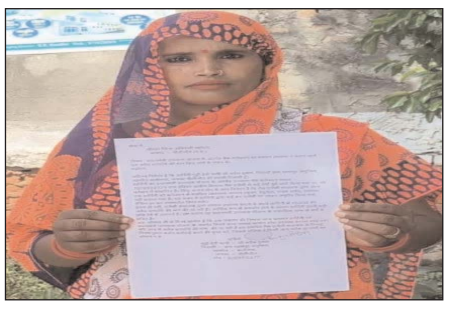

पूरनपुर (पीलीभीत)। राज इण्डेन ग्रामीण वितरण गैस एजेंसी पर महिला ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत कैश कनेक्शन का सामान उपलब्ध न करने तथा समान मांगने पर अवैध धनराशि की मांग किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजा है।

ज्ञात हो कि पूरनपुर-माधोटांडा रोड पर स्थित ग्राम रुरिया सलेमपुर की राज इण्डेन ग्रामीण वितरण गैस एजेंसी की घरेलू गैस सिलेंडर रिफिल वितरण के अलावा स्टाफ द्वारा उपभोक्ताओं से किये जाने वाले अनुचित व्यवहार आदि को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रहीं हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गैस एजेंसी संचालक पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। जिसका परिणाम यह है कि एजेंसी संचालक व स्टाफ के हौसले बुलंद है और वह लगातार मनमाने तरीके से गैस एजेंसी का संचालन कर रहे हैं। शिकायतों के क्रम में तहसील कलीनगर अंतर्गत आने वाले ग्राम खासपुर जमुनिया की निवासी गुड्डी देवी पत्नी सर्वेश कुमार ने जिलाधिकारी को भेजे शिकायती पत्र में कहा कि उसका प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत उज्ज्वला गैस कनेक्शन संख्या - 7076922329 राज इण्डेन ग्रामीण वितरण गैस एजेंसी से कई वर्षों पूर्व जारी किया गया था, जो वर्तमान में संचालित है। किंतु गैस एजेंसी संचालक द्वारा आज तक उसे कनेक्शन से संबंधित आवश्यक सामान (चूल्हा, रेगुलेटर, पाइप आदि) उपलब्ध नहीं कराया गया है। शिकायतकर्ता गुड्डी देवी ने बताया कि इस संबंध में उनके द्वारा कई बार एजेंसी पर जाकर अनुरोध किया गया, लेकिन हर बार टालमटोल किया गया। इतना ही नहीं, एजेंसी संचालक द्वारा सामान उपलब्ध कराने के बदले उससे 5000 रुपये की अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। महिला ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वह इतनी बड़ी राशि देने में असमर्थ है। इस कारण वह प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के वास्तविक लाभ से वर्षों से वंचित है। पीड़िता ने शिकायत में उक्त प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मिलने वाला समस्त सामान शीघ्र उपलब्ध कराने तथा अवैध धनराशि की मांग करने वाले संबंधित गैस एजेंसी संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

पड़ोसियों के साथ मिलकर सास ने दामाद का कान काटा

पूरनपुर (पीलीभीत)। पारिवारिक कहानी के बाद पड़ोसियों के साथ मिलकर सास ने दामाद का कान काट लिया। यही नहीं युवक पर लाठी डंडों से हमला किया गया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। जिस पर पुलिस ने सास सहित चार नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। तहसील क्षेत्र के ग्राम सन्डई निवासी पीड़ित अवधेश कुमार पुत्र भारत सिंह (28 वर्ष) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 जुलाई की शाम करीब 4 बजे उसकी सास सोमवती से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद सास सोमवती ने गांव के ही कमलेश और उसके दो बेटों अरुण व तरुण ने मिलकर उसे गंदी-गंदी गालियां दीं तथा लात-घूसों व डंडों से पिटाई शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान कमलेश ने अवधेश के दाहिने कान पर दांत गड़ाकर काट लिया। शोर-शराबा सुनकर स्थानीय ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर अवधेश को बचाया। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। जिस पर थाना माधोटांडा पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी सास सोमवती, कमलेश, तरुण और अरुण के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं (118 (1) व 352) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्थानांतरित सिटी मजिस्ट्रेट को समारोह पूर्वक दी गई विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत में तैनात सिटी मजिस्ट्रेट के स्थानांतरण को लेकर व्यापारी नेता शैली शर्मा द्वारा समारोह पूर्वक उन्हें सम्मानित करते हुए विदाई दी। इसको लेकर सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर ने उनका आभार जताया। जनपद पीलीभीत में लम्बे समय से तैनात नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर के स्थानांतरण एवं पदोन्नति होने पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल युवा विंग के जिलाध्यक्ष शैली शर्मा ने समस्त पदाधिकारियों के साथ नगर मजिस्ट्रेट की पदोन्नति होने पर विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। मौके पर मौजूद पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सरकारी कर्मी को एक दिन स्थानांतरण होना सुनिश्चित होता है। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनका कार्यकाल काफी सराहनीय रहा है। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने कहा कि उन्हें पीलीभीत की जनता से ढ़ेर सारा प्यार और स्नेह मिला है। जिसे वह कभी भुला नहीं पाएंगे। कार्यक्रम में अध्यक्ष शैली शर्मा, रजी अंसारी युवा जिला उपाध्यक्ष, युवा जिला महामंत्री ऋषभ सिंह, युवा संगठन मंत्री हैदर अंसारी, युवा जिला मंत्री तहमीद खान(समीर), शोएब, जिला मंत्री अभिलाष गुप्ता आदि व्यापारी पदाधिकारी मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष बनाए गए रूम सिंह यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सहित तमाम पदाधिकारी की मौजूदगी में संगठन के कई पदाधिकारियों की पदोन्नति करने के साथ ही अन्य कई लोगों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई। जिसमें मुख्य रूप से रूम सिंह यादव को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। नगर के एक होटल में आयोजित विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संगठन के जिलाध्यक्ष अमरीश मिश्रा व विशिष्ट अतिथि के तौर पर संगठन के जिला मंत्री ललित अग्रवाल मौजूद रहे। यहां संगठन जिलाध्यक्ष अमरीश मिश्रा ने संगठन में जिला सह मंत्री के पद पर लंबे समय से संगठन द्वारा दिए जाने वाले दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने पर रूम सिंह यादव की पदोन्नति करते हुए उन्हें जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद की नीलिमा पाल को महिला उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं रामभद्रा को जिला सह मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों को दी गई जिम्मेदारियां का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने के साथ संगठन को गति प्रदान करने का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर संगठन के शहर प्रसार प्रमुख अनुज यादव, प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद, प्रखंड मंत्री दिनेश राठौर, प्रखंड सहसंयोजक बजरंग दल सुरेश यादव ,अमित अरोड़ा, प्रखंड अध्यक्ष माधोटांडा गंगाराम, प्रखंड मंत्री माधोटांडा अजीत सिंह, प्रखंड सह मंत्री माधोटांडा राजवीर सिंह सहित विश्व हिंदू परिषद के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

.गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ने शिव मंदिर में किया जल अभिषेक

बरेली/विकासखंड भदपुरा की ब्लॉक प्रमुख शंकर गंगवार ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के निर्देशानुसार आज समस्त शिव मंदिरों में नेताओं पहुंचकर में मंदिर में जल अभिषेक करने एवं वाहन के पुजारी को सम्मानित करने का निर्देश जारी हुआ था। जिसके अनुसार आज यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार यहां के प्राचीन शिव मंदिर महेशपुर पहुंचकर भोलेनाथ का आशीष प्राप्त किया और वहां की पुजारी को साल बढ़कर सम्मानित किया इस मौके पर भाजपा की सुंदरी मंडल अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह महामंत्री वेदपाल सिंह कनौजिया कमलेश शंखधार पाठक सेक्टर संयोजक सर्वेश कुमार नरेंद्र सिंह ग्राम प्रधान रफीक अहमद दीपू दिवाकर अन्य लोग उपस्थित थे।

नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और बदसलूकी का आरोप

पुलिस की निष्क्रियता पर एस पी कार्यालय पहुँची पीड़िता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी: जिले के थाना मैंगलगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में कथित नाबालिग किशोरी के घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास करने और जबरन उठा ले जाने लगातार पीछा करने, हाथ खींचने और अमर्यादित व्यवहार करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता और उसके परिजनों का आरोप है कि स्थानीय थाना पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई न किए जाने पर उन्हें मजबूरन उच्च अधिकारियों के पास गुहार लगानी पड़ी है।पीडिता और उसकी माँ के द्वारा लगाए गए आरोपों के मुताबिक जबरन घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास करने और असफल होने पर मारपीट करने वाले दबंग लोगों पर लिखित तहरीर देने के बाद भी स्थानीय पुलिस द्वारा कारवाई न किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ही एक युवक द्वारा नाबालिग किशोरी का पिछले चार-पांच दिनों से लगातार पीछा किया जा रहा था। आरोप है कि बीते शाम आरोपी युवक ने सारी हदें पार करते हुए किशोरी को उसके घर में अकेले देखकर घर में घुसकर उसका हाथ पकड़कर खींचने का प्रयास किया और अभद्रता की। जब किशोरी ने इसका कड़ा विरोध किया, तो आरोपी उसे मारने पीटने लगा शोरगुल सुनकर कई लोग व पास ही में मौजूद माँ आ गई तो उक्त हेकड़ किस्म लड़के ने अपने तीन चार साथियों को बुला लिया और जमकर हंगामा काटा और किशोरी की माँ चाची ताई की भी जमकर पिटाई कर दी जिससे तीनों महिलाओं को चोट आई है बताया जाता है कि घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुचने के बावजूद भी उक्त मारपीट कर्ता रहा और अंत में जान माल तरह जबरन उठा ले जाने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।थाना स्तर पर सुनवाई न होने का आरोप पीड़िता ने घर पहुँचकर आपबीती अपनी माँ को बताई। इसके बाद परिजनों ने स्थानीय थाना मैंगलगंज पहुँचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का आरोप है कि गंभीर शिकायत के बावजूद थाना प्रभारी द्वारा मामले में त्वरित और उचित कार्रवाई नहीं की गई,और न ही चोटिल महिलाओं का मेडिकल परीक्षण ही कराया गया जिससे आरोपी के हौसले और बुलंद हो गए। न्याय की आस में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचे परिजन स्थानीय थाना मैंगलगंज से निराशा हाथ लगने के बाद पीड़िता अपनी माँ के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय खीरी पहुँची और न्याय की गुहार लगाई। कार्यालय से परिजनों को मामले की निष्पक्ष जाँच कर उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। अब देखना यह होगा कि मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपी पर क्या और कितनी सख्त कार्रवाई की जाती है।

श्रावण मास के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त यातायात ने आनंदेश्वर मंदिर का किया निरीक्षण

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत आनंदेश्वर मंदिर (परमट), बनखण्डेश्वर मंदिर एवं जागेश्वर मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा मंदिरों के आसपास की यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, पैदल श्रद्धालुओं की आवाजाही तथा आपातकालीन मार्गों का गहन अवलोकन किया गया व संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यातायात व्यवस्था सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनी रहे। पुलिस उपायुक्त द्वारा पार्किंग व्यवस्था का भी विस्तृत जायजा लिया गया तथा उपलब्ध पार्किंग स्थलों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने, अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गुरु पूर्णिमा पर देवी राधिके ने बताया गुरू का महत्व

कानपुर ग्रामीण। नरवल तहसील के रायपुर मार्ग स्थित किशोरी कृपा फाउंडेशन में गुरू पूर्णिमा मनाई गई,,इस अवसर पर देवी राधिके ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला,, उन्होंने बताया कि कि गुरु,,शब्द गु, अंधकार,रू,,उसे दूर करने वाला,,से मिलकर बना है ,,जिसका अर्थ है अज्ञानता के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाला,, देवी राधिके ने कहा कि मानव जीवन में गुरू का आशीर्वाद अत्यंत आवश्यक है,,गुरू ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखा कर उसके जीवन को सफल बनाते हैं, उन्होंने गुरु पूर्णिमा के विशेष महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह परंपरा आदिकाल से चली आ रही है और हमें अपने गुरूओ का सदैव आदर सम्मान करना चाहिए,, अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए देवी राधिके ने बताया कि उन्होंने मात्र 14 वर्ष की आयु से ही श्रीमद्भागवत का स्मरण करना शुरू कर दिया था,उनके पिता नियमित रूप से श्रीमद्भागवत और रामायण का पाठ करतें थें,, जिससे उन्हें बचपन से ही अध्यात्मिक संस्कार और धार्मिक शिक्षा प्राप्त हुई,, उन्होंने किशोरी कृपा फाउंडेशन द्वारा मनाए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी जानकारी दी,, बताया कि फाउंडेशन के अंतर्गत किशोरी कृपा गुरूकुलम में बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है,, इसके अतिरिक्त परिसर में मां गायत्री गौशाला भी स्थापित है,, जहां गौशाला की सेवा और संरक्षण का काम नियमित रूप से किया जाता है,,देवी राधिके ने समाज में शिक्षा, संस्कार,और सेवा के इस अभियान से जुड़ने का आवाह्न किया,,ताकि अधिक से अधिक लोग पुनीत कार्यो का हिस्सा बन सके।

हिन्दू समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बने डी.के. गंगवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष ने समाजसेवी डीके गंगवार को पार्टी में जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। बताते चलें कि इससे पूर्व समाज सेवा के अलावा वह हिन्दू संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। हिन्दू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी एवं प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी के निर्देश पर पार्टी के जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा ने समाजसेवी डी.के. गंगवार को पीलीभीत का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति की घोषणा होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। बताते चलें कि डी.के. गंगवार लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। उन्हें जरूरतमंदों की मदद और जनसेवा के लिए क्षेत्र में जाना जाता है। इससे पहले वह हिन्दू महासभा में प्रदेश मंत्री एवं युवा जिला मंत्री जैसे पदों पर भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि डी.के. गंगवार के अनुभव और सक्रियता से संगठन को जिले में और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग मिलेगा।नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष डी.के. गंगवार ने कहा कि यह जिम्मेदारी संगठन के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से वह इस दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और हर सुख-दुख में लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

वयं सहायता समह के वर्कों को नहीं मिल रहा किराए का पैसा

बरेली/शासन द्वारा स्वयं सहायता समूह बनाकर रोजगार देने का कार्य कर रहे ग्रामीणों को मिला धोखा यह घटना विकासखंड भदपुरा मैं सामने आई है जिन स्वयं सहायता समूहो ने बाल विकास परियोजना क्यों लड़िया से बच्चों का खाद्यान्न उठाकर आंगनबाड़ी केन्द्रों तक पहुंचा था। उस सामग्री को ले जाने का जो भाड़ा उन्हें दिया जाना था वह 3 वर्षों से उनको नहीं दिया गया है इसकी शिकायत लेकर पीड़ित खंड विकास अधिकारी भदपुरा के पास गया यहां की बी डी ओ ने यह कहकर टाल दिया हम केवल पत्राचार कर सकते हैं पैसा शासन को देना है। इस मामले में जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार से संपर्क करना चाह परंतु उन्होंने अपना फोन नहीं उठाया इसी मामले में सुपरवाइजर कंचन गंगवार से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा मेरे पास कोई जानकारी नहीं है यह कार्य विकास खंड से होना है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुद्वारों में शिष्यों की उमड़ी भारी भीड

गुरुपाद पूजन कर प्राप्त किया आशीर्वाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को यहां विभिन्न गुरुद्वारों में शिष्यों की भारी भीड़ रही, शिष्यों ने गुरुपाद पूजन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। देवगांव के बद्रीदास आश्रम में प्रतिष्ठित परमहंस बद्रीदास महाराज के हजारों शिष्यों ने दूरस्थ क्षेत्रों से आकर उनके भव्य श्रीविग्रह का दर्शन कर आशीर्वाद लिया, आश्रम समिति ने विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। तहसील मुख्यालय से 12 किमी दूर देवगांव के बद्रीदास आश्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े और परमहंस बद्रीदास महाराज की भव्य प्रतिमा का दर्शन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। गोलोकधाम से शिष्यों पर कृपा बरसा रहे श्रेष्ठ संत परमहंस बद्रीदास महाराज के दिल्ली, पंजाब, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों से आए सैकड़ों शिष्यों ने विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपादित कराए। आश्रम प्रबंध समिति के तत्वाधान में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल के नेतृत्व में पुलिस के जवान वहां मुस्तैदी से डटे रहे। उधर, नदीगांव से 7 किमी दूर मध्यप्रदेश की सीमा में अवस्थित सुप्रसिद्ध रावतपुरा तीर्थ क्षेत्र में धाम के अधिष्ठाता रविशंकर महाराज के शिष्यों ने वहां पहुंच कर गुरु पूजन किया और आशीर्वाद लिया। कोंच के रामलला मंदिर, नृसिंह पीठ सहित समीपस्थ बैरागढ़ धाम आदि गुरुस्थानों पर भी गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम हुए। प्रतापनगर स्थित कैलादेवी मंदिर पर भी सैकड़ों शिष्यों ने मंदिर के अधिष्ठाता की पाद पूजा कर आशीर्वाद ग्रहण किया। नगर के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त कर उन्हें उपहार भेंट किए। तमाम महिला पुरुष शिष्यों ने अपने गुरु के घर जाकर गुरु का पादपूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आरबीएसके और कैनकिड्स मिलकर बच्चों के कैंसर का कराएंगे निःशुल्क उपचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। आरबीएसके और कैनकिड्स मिलकर बच्चों के कैंसर का निःशुल्क उपचार कराएंगे। इसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दर्जनों चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत अब कैंसर से पीड़ित बच्चों को कैनकिड्स संस्था के सहयोग से निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसी उद्देश्य से मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में आरबीएसके डॉक्टरों, ब्लॉक स्तर के चिकित्सा अधिकारियों और बीसीपीएम के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें करीब 80 चिकित्सकों ने भाग लिया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 बी.सी. पंत, आरबीएसके के नोडल अधिकारी डॉ0 संजीव कुमार तथा डीईआईसी प्रबंधक मोहम्मद जुबैर के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण में ग्लैन कैंसर अस्पताल, बरेली की निदेशक डॉ0 रितु भूटानी ने बच्चों में कैंसर के शुरुआती लक्षण, जांच, पहचान और समय पर रेफरल की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। वहीं कैनकिड्स की सीनियर प्रोग्राम मैनेजर प्रीति रस्तोगी ने संस्था द्वारा कैंसर पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों को उपलब्ध कराई जाने वाली उपचार, देखभाल और अन्य सहायता सेवाओं के बारे में बताया।कैनकिड्स के प्रोजेक्ट मैनेजर शशांक पटेल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ष 0 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 14,700 बच्चे कैंसर से प्रभावित होते हैं, जो देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल 42 प्रतिशत मरीज ही समय पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पाते हैं, जबकि 58 प्रतिशत बच्चे उपचार केंद्र तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में समय रहते पहचान और सही रेफरल से इलाज में देरी तथा असमय मृत्यु के मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि यदि किसी बच्चे में कैंसर के शुरुआती लक्षण दिखाई दें तो घबराएं नहीं, क्योंकि बच्चों के कैंसर का उपचार संभव है। सहायता के लिए कैनकिड्स उत्तर प्रदेश की हेल्पलाइन 9811284406 पर संपर्क किया जा सकता है। वहीं जन्मजात बीमारियों से ग्रसित बच्चों के निःशुल्क उपचार संबंधी जानकारी और सहायता के लिए डीईआईसी प्रबंधक मोहम्मद जुबैर के मोबाइल नंबर 7536844761 पर भी संपर्क किया जा सकता है।आरबीएसके के तहत बच्चों में जन्मजात एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को राहत मिलने के साथ बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो सके।

एक जिला एक उत्पाद योजना से विमला देवी के हुनर को मिला नया आयाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद - प्रदेश सरकार की 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना ने विमला देवी की जिंदगी में सफलता का नया उजाला भर दिया, कभी आर्थिक तंगी और संसाधनों के अभाव से जूझ रहा उनका कांच के मोतियों का व्यवसाय आज शासन की प्रोत्साहनकारी नीतियों के बल पर प्रगति के पद पर उत्तरोत्तर उन्नति कर रहा है। विमला देवी जो शिकोहाबाद की रहने वाली है, उनकी यह कहानी संघर्ष, संयम, श्रम और हुनर का एक बेहतरीन उदाहरण है, विमला देवी और उनका परिवार लंबे समय से कांच के मोतियों के निर्माण के कार्य से जुड़ा था, हुनर और मेहनत में कोई कमी नहीं थी, परंतु पूंजी की अभाव में काम अक्सर रुक जाता था और व्यवसाय को निरंतरता के साथ चला पाना असंभव लग रहा था, परंतु तभी विमला देवी को सरकार की महत्वपूर्ण 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के विषय में जानकारी मिली, 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना विमला देवी के परिवार के लिए वरदान साबित हुआ, योजना के तहत जिला प्रशासन के सहयोग से उन्हें आठ लाख की सब्सिडी (वित्तीय सहायता और ऋण प्रोत्साहन) प्राप्त हुआ, इस आर्थिक संबल ने उनके ठप्प पड़े रहे काम में नई जान फूंक दी। वित्तीय मदद मिलने के बाद विमला देवी ने अपने गृह उद्योग को नए सिरे से स्थापित किया, व्यवसाय में पति-पत्नी दोनों ने मिलकर कठोर श्रम किया, विमला देवी जहां घर पर निर्माण और उत्पादन की देखरेख करती हैं, वहीं उनके पति बाजार में विपणन और आपूर्ति का जिम्मा संभालते हैं, इस व्यवसाय से होने वाली बेहतर आय की बदौलत आज उनका परिवार न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है, बल्कि वह अपने तीनों बच्चों को निर्बाद्ध रूप से अच्छी शिक्षा प्रदान कर पा रहे हैं। विमला देवी का कहना है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरगामी सोच और जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जिले के छोटे उद्यमियों को सही दिशा और संबल मिल रहा है, यदि सरकार का यह सहयोग न मिलता तो हुनर होते हुए भी वह इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाते। विमला देवी आगे कहती है कि शासन की इस योजना में हम जैसे छोटे दस्तकारों को अपने पांव पर खड़ा होने का मौका दिया है, हमारे जैसे जो भी नागरिक अपने हुनर को पहचान कर आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए यह योजना एक बेहतरीन मंच है।

संक्षिप्त खबरें

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के आवेदकों का 3 अगस्त को साक्षात्कार

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत ने बताया है कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों एवं परम्परिक कारीगरों को रोजगार युक्त बनाये जाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु बढ़ई, नाई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, राजमिस्त्री, हलवाई, धोबी, मोची ट्रेडों में आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थें, इन ट्रेडों में प्राप्त आवेदन पत्रों का साक्षात्कार मूल दस्तावेजों का सत्यापन 03 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रारम्भ होगा। उन्होने बताया है कि साक्षात्कार कार्यालय उपायुक्त उद्योग-जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र प्रतापगढ़ में होना सुनिश्चित किया गया है। उन्होने बताया है कि आवेदक समस्त मूल प्रमाण-पत्रों के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित हो।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सिविल सर्विसेज जनपदीय चयन ट्रायल 6 अगस्त को

प्रतापगढ़। उपक्रीड़ा अधिकारी रंजीत कुमार यादव ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ में सिविल सर्विसेज जनपदीय ट्रायल चयन का आयोजन 6 अगस्त को पूर्वान्ह 10 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में किया जाएगा। उपक्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि ट्रायल में सरकारी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी 19 विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभाग कर सकेंगे। इनमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन एवं बेस्ट फिजिक, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावर लिफ्टिंग, क्रिकेट, हॉकी, खो-खो तथा योगासन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को विभाग द्वारा जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र, जन्मतिथि संबंधी अभिलेख, सेवा में नियुक्ति तिथि, वर्तमान तैनाती का विवरण तथा यह प्रमाणित करने वाला दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा कि वे नियमित रूप से सरकारी विभाग में कार्यरत हैं। उपक्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का पहले फिजिकल टेस्ट लिया जाएगा, जिसमें न्यूनतम 14 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही खिलाड़ी कौशल (स्किल) टेस्ट के लिए पात्र माने जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग व निगम तथा परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी इस ट्रायल में पात्र नहीं होंगे। इनके अतिरिक्त प्रदेश सरकार के अन्य सभी विभागों के नियमित अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित तिथि एवं समय पर स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ पहुंचकर ट्रायल में प्रतिभाग कर सकते हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक ने बाबा घुइसरनाथ धाम में प्रबन्धों का लिया औचक जायजा

लालगंज, प्रतापगढ़। श्रावण माह को लेकर बाबा घुइसरनाथ धाम में हो रही तैयारियों का औचक जायजा लेने अपर पुलिस महानिदेशक के निरीक्षण से बुधवार को पुलिस व प्रशासनिक महकमे में हडकंप का माहौल दिखा। प्रयागराज के अपर पुलिस महानिदेशक ज्योति नारायण दोपहर अचानक बाबा धाम आ पहुंचे। एडीजी ने जिले के पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के साथ यहां सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े बंदोबस्त की निगरानी की। एडीजी ने बाबा धाम में सई घाट पर नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए यहां रस्सी की घेराबंदी के साथ गोताखोर व नाव प्रबन्ध को अलर्ट रखने को कहा। गंगा सरोवर में भी उन्होने श्रद्धालुओ के स्नान को लेकर समुचित सुरक्षा प्रबन्ध की जानकारियां ली। मुख्य मंदिर परिसर से पूरे मेला क्षेत्र में उन्होने सीसी कैमरे के जरिए हर संदिग्ध की कड़ी निगरानी रखे जाने के मातहतों को निर्देश दिये। बाबा धाम में उन्होने महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के बिन्दु पर एसपी से पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस की तैनाती सुनिश्चित कराए जाने को कहा। अपर पुलिस महानिदेशक ने बाबा धाम में व्यापारियों से मिलकर उनसे भी समस्याओं की जानकारियां ली। एडीजी ने सांगीपुर एसओ को सख्त हिदायत दी कि मेला क्षेत्र में दुकानदारों से किसी भी प्रकार की अवैध वसूली की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। निरीक्षण के बाद अपर पुलिस महानिदेशक ने बाबा का जलाभिषेक कर दर्शन पूजन किया।मंदिर के महन्त मयंक भाल गिरि, प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष मिश्र, अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, मुन्ना पाण्डेय आदि ने अपर पुलिस महानिदेशक एवं एसपी को बाबा घुइसरनाथ धाम का चित्र एवं महोत्सव दर्पण भेंट किया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक राजीव द्विवेदी, ईओ नगर पंचायत इन्द्र प्रताप, सांगीपुर बीडीओ राजेन्द्र नाथ पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक लालगंज आलोक कुमार, सांगीपुर एसओ गौरव त्रिवेदी भी मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रेलर पलटा, युवक समेत 12 मवेशियों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र इटवा-बढ़नी मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत रामनगर में बुधवार की सुबह एक भीषण और दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां इटवा से बढ़नी की ओर जा रहा कच्चा आयरन लदा एक अनियंत्रित ट्रक-ट्रेलर सड़क किनारे बनी घारी पर पलट गया। इस हादसे में घारी में सो रहे 20 वर्षीय युवक सूरज यादव पुत्र रामप्रसाद की मौके पर ही दबकर मौत हो गई, जबकि उनके काका हरीराम यादव और रामासरे घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस में दी गई तहरीर के अनुसार, सड़क के बिल्कुल किनारे घारी बनी थी और वहीं मवेशी बंधे हुए थे, यदि सड़क किनारे मवेशी न बंधे होते तो शायद इतना बड़ा हादसा टल सकता था; ट्रक के पलटते ही मवेशी भारी-भरकम वाहन व लोहे क्लिंकर के मलबे के नीचे दब गए, जिससे 4 गाय और 8 भैंसों की दर्दनाक मौत हो गई, दो मवेशी घायल हो गए तथा झोपड़ी, चारा मशीनें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना के तुरंत बाद मौके पर मची चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए भाग रहे ट्रक चालक सुजीत कुमार को पकड़ लिया और इसकी सूचना ढेबरुआ पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने चालक को अपनी हिरासत में लेकर थाने पहुँचाया। हादसे की खबर मिलते ही एसडीएम शोहरतगढ़ राजेश कुमार, सीओ मयंक द्विवेदी, राजस्व टीम, पशुचिकित्सा अधिकारी बढ़नी डॉ. राकेश कुमार गुप्ता की टीम और चार थानों ढेबरुआ, कठेला समय माता, शोहरतगढ़ व चिल्हिया की पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुँचकर जेसीबी व हाइड्रा क्रेन की मदद से ट्रक और मलबे को हटवाकर राहत-बचाव कार्य पूरा कराया। सुबह पुलिस ने मृतक युवक सूरज के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वहीं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मृत मवेशियों का भी पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद पुलिस व प्रशासन के सहयोग से सभी मृत मवेशियों को ट्रैक्टर-ट्राली पर लदवाकर दफ़नाने के लिए भेजा गया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है, पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

विधायक की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के एसी प्रकरण की जांच शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। डॉ. सोनेलाल पटेल स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज में एसी किराया, महंगे बेड की खरीद और जेम पोर्टल के माध्यम से हुए अन्य अनुबंधों को लेकर उठे विवाद को शासन ने गंभीरता से लिया है। सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य की शिकायत के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। विधायक ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजे पत्र में मेडिकल कालेज में पिछले चार महीनों के दौरान हुई खरीद और किराया प्रक्रियाओं में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया था। उन्होंने जेम पोर्टल के माध्यम से हुए अनुबंधों, टेंडर प्रक्रिया और वित्तीय दरों की उच्च स्तरीय तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराने की मांग की थी।मामले को शासन स्तर पर संज्ञान में लेते हुए महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा ने शिकायत को एडीशनल डायरेक्टर नॉन-सर्विसेज को भेजते हुए जांच कराने के निर्देश दिए हैं। 29 जुलाई को की गई विभागीय टिप्पणी से स्पष्ट है कि शिकायत को औपचारिक रूप से जांच के लिए अग्रसारित कर दिया गया है।विधायक ने अपने पत्र में यह भी कहा था कि मेडिकल कालेज में आवश्यक दवाइयों और उपकरणों की कमी के कारण मरीजों को प्रयागराज रेफर करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर एसी किराये पर लेने और अन्य खरीद मामलों में लाखों रुपये खर्च किए गए हैं, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। डीजीएमई स्तर से जांच के आदेश के बाद मेडिकल कालेज प्रशासन में हलचल तेज हो गई है।यदि जांच में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है।

जमीन विवाद को लेकर जानलेवा हमला केस दर्ज

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। त्रिलोकपुर थान क्षेत्र के बुड्ढीखास गांव में जमीनी विवाद को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। दबंगों ने पीड़ित को लाठी-डंडों से पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। विरोध करने पर दबंगों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित ने बुधवार सुबह स्थानीय थाने में नामजद तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस को दी गई तहरीर में बुड्ढी गांव निवासी गोवर्धन ने बताया कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे जमीनी विवाद को लेकर गांव के ही विपक्षियों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया।चीख-पुकार सुनकर जब तक ग्रामीण मौके पर जुटते, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 323, 504 व 506 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पीड़ित को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद चोट की गंभीरता के आधार पर मामले में धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्षेत्र के डेपारमऊ चौराहे पर अशोक कुमार शुक्ला द्वारा मनाई गई गुरु पूर्णिमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्र के डेपारमऊ चौराहे स्थित प्रकांड विद्वान पंडित अशोक कुमार शुक्ला उर्फ चौड़ा महराज के प्रतिष्ठान पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति और सनातन परंपरा का अनुपम संगम बन गया। मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीरामचरितमानस के अखण्ड पाठ का शुभारंभ हुआ, जिसका बुधवार को विधि-विधानपूर्वक समापन किया गया। आपको बता दें कि, अखण्ड पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत विद्वान आचार्यो द्वारा वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच हवन-पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि एवं राष्ट्र के कल्याण की कामना की। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में स्थानीय क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। समाचार लिखे जाने तक भंडारे का आयोजन निरंतर जारी रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विद्यासागर अवस्थी, चंदन पाण्डेय, सूर्यभान सिंह, इन्द्रजीत सिंह, रणविजय सिंह (प्रधान प्रतिनिधि), प्रभाकर तिवारी, नरेंद्र बहादुर सिंह फौजी, लोकनाथ पाण्डेय, अजय मिश्रा, ललित मिश्रा, सियाराम यादव, पप्पू मौर्य, रामलाल, निशांत शुक्ला, रौनक दीक्षित सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजक अशोक कुमार शुक्ला उर्फ चौड़ा महराज ने कहा कि, 'गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदन का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर है। श्रीरामचरितमानस का अखण्ड पाठ समाज में सद्भाव, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। '

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेता विद्यासागर अवस्थी ने कहा कि, 'भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु पूर्णिमा पर आयोजित ऐसे धार्मिक अनुष्ठान हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। समाज में धर्म, सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। 'नरेंद्र बहादुर सिंह फौजी ने कहा कि, 'धार्मिक और सामाजिक आयोजन लोगों को आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देते हैं। गुरु पूर्णिमा पर आयोजित श्रीरामचरितमानस का अखण्ड पाठ और विशाल भंडारा समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ सेवा और समर्पण की भावना को भी मजबूत करता है। पूरे कार्यक्रम के दौरान आयोजक पंडित अशोक कुमार शुक्ला उर्फ चौड़ा महराज, जगदीश प्रसाद शुक्ल, जग प्रसाद शुक्ल एवं कल्पेश शुक्ला सहित परिवार के सदस्य और सहयोगी श्रद्धालुओं की सेवा-सत्कार में पूरे समर्पण के साथ जुटे रहे।

माटीकला बोर्ड स्थापना दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» जागरूकता कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना की दी गई विस्तृत जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड के 9वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माटीकला जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत विकास खंड शिवगढ़ की ग्राम पंचायत दादूपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।कार्यक्रम में माटीकला उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री, कारीगरों का पंजीकरण एवं आंकड़ा संकलन, विभागीय योजनाओं एवं प्रशिक्षण की जानकारी, स्वरोजगार स्थापित करने हेतु ऋण आवेदन प्रक्रिया का मार्गदर्शन, विद्युत चालित चाक एवं आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन, माटीकला सहकारी समितियों के गठन तथा स्थानीय एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कला विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर माटीकला पुरस्कार विजेता एवं कला विशेषज्ञ सुनील कुमार प्रजापति तथा धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति ने अपनी पारंपरिक कला का सजीव प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में समाजसेवी संजय पटेल, प्रभारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रहेन्द्र कुमार शुक्ला सहित अशोक कुमार, श्याम बहादुर यादव, सिद्धान्त मौर्य सहित बड़ी संख्या में कारीगर, ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय प्रभारी राम अजीत पटेल ने किया।

लोटन- मोहाना मार्ग पर जाफरजोत गांव के पास सड़क की पटरी धंसी

लोटन (सिद्धार्थनगर)। लोटन-मोहाना मुख्य मार्ग पर जाफरजोत मोड़ के पास सड़क की धंसी हुई पटरी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है।जिसको लेकर लोग परेशान हैं। जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग पर प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन, स्कूली बच्चे, मरीज और आम नागरिक इसी मार्ग से गुजरते हैं। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग की घोर लापरवाही के चलते आज तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। जबकि उक्त गंभीर समस्या की सूचना तीन दिन पहले ही पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता एवं संबंधित जूनियर इंजीनियर को भी लोग दे चुकें है। लेकिन विभाग अब तक पूरी तरह मौन है। क्या किसी निर्दोष की जान जाने के बाद ही पीडब्ल्यूडी विभाग जागेगा यदि इस धंसी हुई पटरी के कारण कोई दुर्घटना होती है। तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों और पीडब्ल्यूडी विभाग की होगी। चूंकि इसकी सूचना लोगों ने पहले ही विभाग को दे दिया है।

एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर के सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि नगर को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के लिए घर-घर गीले व सूखे कचरे का अलग-अलग संग्रह जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों की भूमिका की सराहना करते हुए जनभागीदारी पर जोर दिया। डिवीजनल अमरेंद्र प्रताप सिंह ने वैज्ञानिक तरीके से कचरा निस्तारण, एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के बहिष्कार और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। डिवीजनल कार्यक्रम प्रबंधक मनीष त्रिपाठी ने पुनर्चक्रण, जैविक कचरे से खाद बनाने तथा सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरणों के नियमित उपयोग की जानकारी दी। कार्यशाला में एसबीएम प्रभारी अनूप पांडेय, तकनीकी सहायक विमल सिंह, प्रो. शक्ति मिश्रा, सुपरवाइजर, सफाई कर्मचारी, चालक एवं कार्यालय कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक सवार बदमाशों ने घर में घुसकर की लूटपाट, महिला- बच्चों को मारपीट कर किया घायल

सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चेतिया पुलिस चौकी के ग्राम निहलवा निवासी शिवकरन निषाद का घर जिगिनिहवा चेतिया मार्ग पर बना हुआ है। उसी में उनका परिवार रहता है और शिवकरन अपने रोजी रोटी के लिए बम्बई कमाते है। मंगलवार की रात बाहर बरामदे में शिवकरन की पत्नी राधिका अपने तीन बच्चों के साथ सोई थी कि अचानक मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश पहुंचे और राधिका से जबरदस्ती करने लगे, विरोध करने पर मारने पीटने लगे और कान की झुमकी अन्य जेवरात छीन लिए जब बच्चों ने विरोध किया तो बच्चों को भी मारपीट कर लहूलुहान कर दिए और घर में घुस कर ट्रंक खोलकर उसमे से 1अदद हार, पायल व तीन लाकेट का मंगलसूत्र भी लुट लिए। पीड़िता ने सुबह घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राधिका व बच्चों को ले जाकर प्राथमिक उपचार अपने देखरेख में कराया। इस मामले में चौकी प्रभारी चेतिया प्रदीप कुमार चौहान का कहना है कि तहरीर भी मिली है जांच की जा रही है।

ग्राम बरहूपुर में अवैध मेडिकल स्टोर पर बड़ी कार्रवाई, 58 हजार रुपए की दवाएं जब्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। औषधि निरीक्षक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन शिव कुमार नायक ने बताया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन तथा सहायक आयुक्त औषधि प्रयागराज मण्डल प्रयागराज द्वारा कार्यवाही हेतु नामित औषधि निरीक्षक फतेहपुर संजय दत्त के साथ मंगलवार को ग्राम बरहूपुर थाना पट्टी क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी की गयी। मौके पर बिना नाम से संचालित मेडिकल स्टोर खुला पाया गया जिसकी जांच के दौरान अवैध पाये जाने के कारण सीज कर दिया गया। फर्म का संचालक प्रदीप कुमार सरोज पुत्र अमर पाल निवासी सुलतानपुर मौके पर उपस्थित रहे। फर्म से लगभग 58000 रूपये की औषधियां जब्त की गयी। मौके पर एक संदिग्ध औषधि का नमूना जाँच विश्लेषण हेतु एकत्र किया गया। विवेचना पूर्ण होने एवं जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त नियमानुसार सक्षम न्यायालय में वाद दायर किया जायेगा। छापेमारी की सूचना मिलते ही क्षेत्र में संचालित अन्य औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों में हड़कंप मच गया और कई प्रतिष्ठान तत्काल बंद कर दिए गए। मुख्यालय द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद में संचालित ऐसे सभी अवैध मेडिकल स्टोर पर मुख्यालय एवं मण्डलीय कार्यालय द्वारा टीम गठित कराकर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। औषधि विभाग ने जिले के समस्त थोक औषधि विक्रेताओं को भी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया है कि बिना वैध लाइसेंस वाले मेडिकल स्टोरों को किसी भी प्रकार की औषधियों की आपूर्ति न करें। यदि किसी थोक विक्रेता द्वारा अवैध प्रतिष्ठानों को दवा की आपूर्ति किए जाने की पुष्टि होती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध कफ सिरप कारोबार का वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। औषधि निरीक्षक, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, प्रतापगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार फर्म मेसर्स महादेव फार्मा, स्थित ग्राम झिंगुरपुर, परगना बाबागंज, थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़ के नाम से जारी औषधि विक्रय अनुज्ञप्ति का दुरुपयोग करते हुए विभिन्न जनपदों से भारी मात्रा में कोडीनयुक्त न्यू फेन्सेडिल कफ सिरप का क्रय किया गया। विभागीय सत्यापन के दौरान उक्त पते पर कोई मेडिकल स्टोर संचालित नहीं पाया गया तथा न ही फर्म द्वारा क्रय की गई औषधियों का भौतिक सत्यापन कराया गया और न ही विक्रय संबंधी अभिलेख प्रस्तुत किए गए। जांच में प्रथम दृष्टया फर्जी दस्तावेजों के आधार पर औषधि अनुज्ञप्ति प्राप्त कर उसका दुरुपयोग करते हुए कोडीनयुक्त औषधियों का गैर चिकित्सकीय प्रयोजनार्थ अवैध भंडारण एवं विक्रय किए जाने के तथ्य प्रकाश में आने पर 16 दिसंबर 2025 को थाना महेशगंज पर मु0अ0सं0 318(4), 338, 336(3), 340(2), 206(ए) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।अभियोग पंजीकरण के उपरांत अभियुक्त लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्त पर 25,000 रूपये का पुरस्कार घोषित किया गया तथा गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पुलिस टीमों का गठन कर संभावित स्थानों पर लगातार दबिश एवं तलाश की कार्रवाई की जा रही थी। थाना महेशगंज पुलिस, स्पेशल टीम एवं स्वाट टीम द्वारा सर्विलांस सेल के सहयोग से उक्त अभियोग से संबंधित 25,000 रूपये के पुरस्कार घोषित अभियुक्त आयुष प्रताप सिंह उर्फ सिंह आयुष प्रताप विनोद पुत्र विनोद कुमार सिंह, निवासी इटौरी, थाना सरायख्वाजा, जनपद जौनपुर, उम्र लगभग 25 वर्ष को थाना क्षेत्रान्तर्गत लालापुर बड़ी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर संत सर्वेश्वर दास का हुआ भव्य पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित बाल्हेश्वर धाम के निकट आदर्श ऋषि आश्रम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। आश्रम में अखंड पाठ, भंडारे एवं गुरु पूजन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और शिष्यों ने भाग लिया।आश्रम के प्रबंधक संत सर्वेश्वर दास व्यास जी महाराज का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन किया गया। शिष्यों ने गुरुदेव की आरती उतारी, पुष्प अर्पित किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त कर गुरु के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और विश्वास व्यक्त किया।सुबह से ही आश्रम में भक्तों और अनुयायियों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के चरणों में नमन कर जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।संत सर्वेश्वर दास व्यास जी महाराज अपनी सेवा, धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं। आश्रम में प्रतिवर्ष मलमास के दौरान 15 दिवसीय भक्तिमय भगवदीय अनुष्ठान का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा प्रयागराज के माघ मेले में भी उनका शिविर लगता है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करते हैं।अनुयायियों ने बताया कि संत सर्वेश्वर दास व्यास जी महाराज एक सिद्ध संत हैं। उनके सान्निध्य से आत्मिक शांति की अनुभूति होती है तथा उनका आशीर्वाद जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।इस अवसर पर आचार्य गिरजाशंकर दीक्षित, पंडित ओमनाथ शास्त्री, शिवा शास्त्री, अमरेन्द्र गिरी, सेवादार रामकुमार दास सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में धूम धाम से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

महराजगंज/रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल, सलेथू में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर इसे श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वेदव्यास के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, प्रेरक भाषण, कविता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की। प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों एवं जीवन के सही मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। सभी विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर सम्मान किया तथा जीवन में अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अदिति,ज़ारा,अवनी, अनन्या, कृति सिंह,सक्षम मिश्रा,सामर्श,जैनब आदि छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य एस. एल. प्रजापति, उप- प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव, शिक्षक - शिक्षिकाएं, छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

रामपुर खास को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र बनाने का संकल्पः मोना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि रामपुरखास को बहुमुखी विकास से मजबूती प्रदान करने के लिए यहां हर परियोजनाओं का संचालन मजबूती से दिखेगा। बुधवार को क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए उन्होने कहा कि हाल ही में लगभग दस करोड़ की लागत से मंगापुर में स्टेडियम की मंजूरी खेल के क्षेत्र के साथ युवाओं को विभिन्न भर्तियों में भी शारीरिक ऊर्जा मिलने में लाभप्रद होगा। वहीं कृषि क्षेत्र में करोड़ो की लागत से कृषि कल्याण केन्द्र के भी निर्माण से क्षेत्रीय किसानों को खेती के क्षेत्र में सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होने कहा कि सांसद प्रमोद तिवारी के सहयोग से रामपुरखास को विकास तथा सुरक्षा व शांति के वातावरण से आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। एक दिवसीय दौरे में उन्होने लालगंज में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि पेपरलीक पर संसद में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस छात्रों के साथ हुए अन्याय का मोदी सरकार से जबाब मांग रही है। उन्होने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार अभी भी जबाबदेही लेने से कतरा रही है। सीएलपी नेता मोना ने अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चंदा चोरी के मामले को भी गंभीर ठहराते हुए कहा कि कांग्रेस विधानसभा सत्र में प्रदेश सरकार के गैर जबाबदेही का मुद्दा जोर शोर से उठाएगी। बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन करते हुए विधायक आराधना मिश्रा मोना ने यहां आज गुरूवार से श्रावण माह को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधाओं का भी अवलोकन किया।इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, लालगंज प्रमुख अमित सिंह पंकज, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, आशीष उपाध्याय, पप्पू तिवारी, छोटे लाल सरोज, दृगपाल यादव, भुवनेश्वर शुक्ल, रवीन्द्र मिश्र, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, रामकृपाल पासी, राकेश चतुर्वेदी, धर्मपाल गौतम, शेरू खां, महेन्द्र प्रताप सिंह, संतराम चौरसिया, लालजी पाण्डेय, इंद्र नारायण शुक्ल, त्रिभु तिवारी, मुरलीधर तिवारी, अभिनव शुक्ल, अतुल शुक्ला, अक्षत तिवारी, सिंटू मिश्र, रामू मिश्र, राजू पाण्डेय, हृदय नारायण मिश्र, बृजेश द्विवेदी, राजेश शुक्ला आदि रहे।

गुरु पूर्णिमा पर उतारी साई बाबा की भव्य आरती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शहर के बलीपुर के साई बाबा मंदिर पर चल रहे तीन दिवसीय साई नाथ महोत्सव के दूसरे दिन गुरु पूर्णिमा पर बाबा का सद्गुरु के रूप में पूजन किया गया। सुबह श्री साई नारायण संस्थान उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष (साई भक्ति प्रसार भूषण) शैलेंद्र नाथ ने बाबा को स्नान कराके फूल मालाओं से सजाया और आरती उतार कर भोग लगाया। दोपहर में विशेष गुरु पूर्णिमा आरती हुई।अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ ने कहा कि गुरु का दर्जा भगवान से भी श्रेष्ठ बताया गया है। माता-पिता जीवन के पहले गुरु होते हैं। इसलिए हमेशा जीवन को संस्कारों के साथ जीना चाहिए। शैलेंद्र नाथ ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत बाबा की पालकी यात्रा से धूमधाम से हुई थी।आज अंतिम दिन गुरुवार को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। आरती में शामिल हुए वरिष्ठ समाज सेवी रोशन लाल उमरवैश्य ने कहा कि गुरु का मार्गदर्शन जीवन को सफलता की राह पर आगे बढ़ाता है। इस अवसर पर धर्मेंद्र देव शुक्ला, अजय सिंह गुड्डुन, विजय कुमार शुक्ला, शिवेंद्र नाथ मिश्रा, रिंकू सरदार, देवेश प्रताप सिंह, युवा समाजसेवी ऋषभ सिंह, अवधेश ओझा, संजीव गुप्ता डेकोरेटर समेत लोगों ने बाबा की आरती उतारी और नमन किया। शाम को साई जागरण का भी आयोजन किया गया।

एसएसबी व इटवा पुलिस की संयुक्त टीम ने 15.47 ग्राम स्मैक(हिरोईन) के साथ एक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश के निर्देशन मे एवं प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र के नेतृत्व में एसएसबी व थाना इटवा की संयुक्त टीम द्वारा थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर के चौकी क्षेत्र जिगनाधाम के ग्राम सोननगर के पास से एक अभियुक्त को 15.47 ग्राम स्मैक (हिरोईन) के साथ पकड़ा गया। गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप पुत्र रमेश निवासी ग्राम गजेड़ी थाना ढेबरुआ सिद्धार्थनगर का है, जिसे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-1702026 धारा 8/22एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पीयूष मोर्डिया बने प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पीयूष मोर्डिया को प्रयागराज का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक और पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले वह अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), वाराणसी जोन के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब वह प्रयागराज कमिश्नरेट की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था की कमान संभालेंगे। पीयूष मोर्डिया एक अनुभवी एवं कुशल पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव के

दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों और महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आधुनिक पुलिसिंग को प्रभावी ढंग से लागू करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। वाराणसी जोन में एडीजी के रूप में उन्होंने संवेदनशील धार्मिक आयोजनों, त्योहारों और वीआईपी कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सफलतापूर्वक संचालित किया। प्रयागराज जैसे संवेदनशील एवं धार्मिक महत्व वाले शहर में उनकी नियुक्ति को विशेष महत्व दिया जा रहा है। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद भी शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, संगठित अपराध पर नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना तथा जनता और पुलिस के बीच विश्वास को और मजबूत करना उनके सामने प्रमुख चुनौतियां होंगी।

10 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी प्रयागराज की सड़कें बनीं तालाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शहर में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या एक बार फिर नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावों के बावजूद कई प्रमुख सड़कें और चौराहे बारिश के बाद तालाब में तब्दील हो गए। लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि दोपहिया और चारपहिया वाहन जलभराव में फंस रहे हैं। नगर निगम द्वारा मानसून से पहले नालों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था सुधारने के लिए लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में

बारिश के कुछ ही घंटों बाद सड़कें पानी से लबालब भर गईं। इससे नगर निगम की तैयारियों और कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। जलभराव की बढ़ती शिकायतों और आमजन की नाराजगी को देखते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और अभियंताओं के साथ विभिन्न जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा तत्काल जलनिकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि जहां भी लापरवाही या कार्य में अनियमितता पाई जाएगी, वहां संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों, बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में लोगों को घंटों तक जलभराव की समस्या झेलनी पड़ी। व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ, जबकि स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

नैनी में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का किया भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य का मंगलवार को जमुनापार क्षेत्र के कार्यक्रम में जाते समय नैनी के सब्जी मंडी तिराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा प्रयागराज महानगर के पूर्व जिला अध्यक्ष नरसिंह ने किया। इस अवसर पर सत्यम शुक्ला सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजन शुक्ला, टीनू अग्रवाल, पार्षद रणविजय (डब्बू) सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता रवि मिश्रा, नैनी मंडल महामंत्री सुरेंद्र गुप्ता, दिनेश सिंह पटेल (मंडल उपाध्यक्ष), श्याम मिश्रा, कृष्णा केसरवानी, उमा धनपाल तथा गुडविल गैरेज सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शादी का मतलब कभी भी अपने सपनों को छोड़ना नहीं होना चाहिए : आरती बिराजदार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। शादी को जिंदगी की नई शुरुआत माना जाता है। लेकिन कई लड़कियों के लिए यह ऐसा समय भी होता है जब वे अपने सपनों को पूरा करने के साथ-साथ अपनी जिम्मेदारियां भी निभाती हैं। सन नियो के शो थोड़ी सी उम्मीद, थोड़ा सा आसमान में इन दिनों यही कहानी दिखाई जा रही है। शो में वैदेही की शादी होने वाली है, लेकिन साथ ही वह अपनी पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी भी कर रही है। वह शादी, पढ़ाई और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। यह कहानी उन महिलाओं की हिम्मत और मेहनत को दिखाती है, जो अपनी जिम्मेदारियों के साथ अपने सपनों को भी नहीं छोड़तीं। इस ट्रैक के बारे में बात करते

हुए वैदेही का किरदार निभा रहीं आरती बिराजदार ने कहा कि मैं यह कहानी पर्दे पर निभा रही हूं, लेकिन असल जिंदगी में भी बहुत-सी लड़कियां पढ़ाई, नौकरी, शादी और परिवार की जिम्मेदारियों को एक साथ संभालती हैं। घर और परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने सपनों को पूरा करना आसान नहीं होता, लेकिन फिर भी कई महिलाएं हर दिन यह सब करती हैं।

मैंने ऐसी लड़कियों की कहानियां भी सुनी हैं, जो अपनी शादी के जोड़े में ही परीक्षा देने पहुंचीं, परीक्षा खत्म की और फिर वापस अपनी शादी में शामिल हो गईं। ऐसा करने के लिए जितनी हिम्मत और लगन चाहिए, वह सच में प्रेरणा देने वाली है। ऐसी हर लड़की को मेरा दिल से सलाम, जो अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी अपने सपनों को नहीं छोड़ती। वे भले ही आम लड़कियां हों, लेकिन उनके हौसले और मेहनत उन्हें खास बनाते हैं। शादी का मतलब कभी भी अपने सपनों को छोड़ना नहीं होना चाहिए। ' थोड़ी सी उम्मीद, थोड़ा सा आसमान' हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 सन नियो पर प्रसारित होता है।

एसडीएम व तहसीलदार शारदा पार के ग्राम श्रीनगर स्थित राजस्व चौकी का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। उपजिलाधिकारी व तहसीलदार ने ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर स्थित राजस्व चौकी का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बाढ़ से बचाव के लिए की जाने वाली तैयारी की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेते हुए प्रभावित व्यक्तियों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। तहसील पूरनपुर के उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा ग्राम श्रीनगर शारदा पार स्थित राजस्व चौकी का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ संबंधी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान बाढ़ से संभावित प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए पक्का भोजन उपलब्ध कराने हेतु नामित ठेकेदारों द्वारा चिन्हित भोजन वितरण स्थलों का निरीक्षण किया गया तथा निर्देश दिए गए कि आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित स्थलों पर समयबद्ध, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्राम प्रधानों एवं प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक आयोजित कर बाढ़ की संभावित स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से समन्वय बनाए रखते हुए किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराने का आह्वान किया गया। साथ ही सभी से प्रशासन का सहयोग करने एवं अफवाहों से बचने की अपील की गई।

प्रयागराज में आरआरसी इलाहाबाद द्वारा शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी), इलाहाबाद द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (Physical Efficiency Test-PET) का आयोजन दिनांक 25 जुलाई से प्रयागराज स्थित डीएसए ग्राउंड में किया जा रहा है। रेल भर्ती प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में 225 महिला अभ्यर्थियों सहित कुल 3736 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुये थे । भर्ती प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से संपूर्ण परीक्षा की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। शारीरिक दक्षता परीक्षा भर्ती प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें प्रत्येक परीक्षार्थी को निर्धारित मानकों के अनुसार अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करना अनिवार्य है । परीक्षा के दौरान महिला परीक्षार्थियों को 5 मिनट 15 सेकंड के भीतर 1000 मीटर की दौड़ पूरी करनी होती है। इसके अतिरिक्त उन्हें 20 किलोग्राम भार उठाकर 100 मीटर की दूरी 2 मिनट में तय करनी होती है । भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में पात्रता प्राप्त करने के लिए इन दोनों मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करना आवश्यक है। आज आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा में 124 महिला अभ्यर्थियों ने भागीदारी की जिसमें 74 महिला अभ्यर्थी सफल रही । शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक, रजनीश अग्रवाल; अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य दीपक कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वैभव कुमार गुप्ता तथा सहायक कार्मिक अधिकारी रुपेश कुमार सुमन के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन एवं देखरेख में किया जा रहा है। परीक्षा स्थल पर सुरक्षा, अनुशासन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पर्याप्त तैनाती की गई है। परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनी रहे।

गुरु पूर्णिमा पर पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने पांच मंदिरों में की पूजा।

नैनी, प्रयागराज। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने नैनी क्षेत्र के पांच

प्रमुख मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने संत-महात्माओं का सम्मान करते हुए उनका पूजन किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत नैनी बाजार स्थित श्री राम-जानकी मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर के प्रबंधक त्रिभुवन चौरसिया एवं मंदिर के महंत नन्दू महाराज उपस्थित रहे।

जनता के बीच पहुंचे ऋषि राज, कार्यालय से बाहर आकर सुनीं फरियादें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने मंगलवार को इंदिरा भवन स्थित पीडीए कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक सराहनीय पहल करते हुए अपने कार्यालय कक्ष से बाहर निकलकर सीधे आम नागरिकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने फरियादियों से आमने-सामने संवाद कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने भूमि

एवं भवन संबंधी विवाद, मानचित्र स्वीकृति, अवैध निर्माण, संपत्ति से जुड़े प्रकरणों सहित विकास कार्यों से संबंधित विभिन्न शिकायतें उपाध्यक्ष के समक्ष रखीं। ऋषि राज ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपाध्यक्ष ने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना प्रयागराज विकास प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में अनावश्यक विलंब या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान करें तथा शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई की जानकारी भी समय पर उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने भी शिकायतों से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की। पीडीए की इस पहल से जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा।

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम व एसपी ने मंडी स्थल व मंदिरों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सबसे पहले पीलीभीत के प्रसिद्ध गौरी शंकर मंदिर पहुँचकर श्रद्धालुओं द्वारा किए जाने वाले जलाभिषेक के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण और सुगम दर्शन के लिए लगाई गई बैरिकेटिंग व्यवस्था, सुरक्षा इंतजामों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने दुग्धेश्वर नाथ मंदिर पहुँचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सुरक्षा और स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए मंदिर प्रबंधन और पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। दूर-दराज से आने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के विश्राम हेतु मंडी स्थल में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने पेयजल, लाइट, मोबाइल शौचालय, साफ-सफाई और ठहरने की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शहर के मुख्य मार्गों से लेकर शाही चौकी मार्ग तक के पूरे यात्रा मार्ग (कांवड़ रूट) का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग और प्रमुख मंदिरों पर पर्याप्त पुलिस बल और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं की कतारें सुव्यवस्थित रहें, इसके लिए मजबूत बैरिकेटिंग की जाए। मार्गों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पीने के पानी आदि व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाए।

चोरी का विरोध करने पर पिता-पुत्र पर चाकू से हमला, पिता घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र की एडीए कॉलोनी में चोरी का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। देर रात घर में घुसे एक चोर ने पकड़े जाने पर पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में पिता गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।थाना नैनी में दर्ज एफआईआर के अनुसार, एलआईजी-295 एडीए कॉलोनी निवासी रौनक पाल पुत्र राकेश कुमार पाल ने बताया कि 26 जुलाई की रात करीब 2:30 बजे एक अज्ञात युवक उनके घर में

घुस आया और घर में रखे दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए।आहट मिलने पर रौनक के पिता राकेश कुमार पाल की नींद खुल गई। इसके बाद पिता-पुत्र ने चोर का पीछा किया और फोर्ड स्कूल के पीछे जवाहर नगर क्षेत्र में उसे पकड़ लिया। आरोप है कि पकड़े जाने पर चोर ने दोनों मोबाइल फोन वापस कर दिए, लेकिन इसी दौरान वह गाली-गलौज करने लगा और अचानक अपने पास मौजूद चाकू से हमला कर दिया। हमले में रौनक पाल के गाल और दोनों हाथों में चोटें आईं, जबकि राकेश कुमार पाल के गले पर गंभीर वार हुआ। वारदात के बाद आरोपी मौके का फायदा उठाकर रौनक का एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया।घटना के बाद परिजनों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। राकेश कुमार पाल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। उपचार के बाद 27 जुलाई को रौनक पाल ने नैनी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नैनो उर्वरकों का प्रयोग , पर्यावरण एवं भारतीय कृषि के लिए लाभदायक : डॉ. विवेक दीक्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इफको के नैनो उर्वरक वर्तमान कृषि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, इनके प्रयोग से सस्ती एवं टिकाऊ खेती करने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह पर्यावरण के भी अनुकूल है। उक्त बातें , डॉ.विवेक दीक्षित, प्रधानाचार्य, मोतीलाल नेहरू फार्मरस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कॉर्डेट इफको फूलपुर ने मुख्य अतिथि ग्राम गधिना (लोहार का पूरा)वि.खं. मऊआयमा प्रयागराज के कृषकों के बीच आयोजित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहीं । उन्होंने उपस्थित कृषक प्रतिभागियों को कार्डेट एवं इफको के क्रियाकलाप से परिचित कराया तथा धान की फसल में नैनो यूरिया प्लस, नैनो कॉपर,

नैनो जिंक, एवं नैनो डीएपी के प्रयोग की विस्तार से जानकारी दी। नैनो डीएपी से बीज/जड़/कंद/सेट शोधित कर बुवाई/रोपाई करने की सलाह दी। दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करें नैनो डीएपी 500 मिलीलीटर की बोतल मात्र ?600 की है जो कि दानेदार डीएपी से काफी सस्ता है। नैनो यूरिया फसल की पत्तियों पर ञ्च4 द्वद्य प्रति लीटर पानी से घोल बनाकर स्प्रे करें। इसी क्रम में संस्थान की वरिष्ठ अधिकारी सविता शुक्ला ने फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं स्वयं सहायता समूह से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि विभिन्न प्रकार के अचार मुरब्बा और जूस बनाकर के हम अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं । समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने खेती में जैव उर्वरकों एवं जैव अप घटकों के प्रयोग की जानकारी दी। प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं स्वस्थ व टिकाऊ खेती के लिए मृदा परीक्षण के महत्व को बताया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को कारडेट की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु बेल की पौध का निःशुल्क वितरण किया गया।

डीएम ने स्वच्छ हरित विद्यालय पुरस्कार पाने वाले प्रधानाध्यापक को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। जिलाधिकारी ने स्वच्छ हरित विद्यालय पुरस्कार पाने वाले शिक्षक को कलेक्ट्रेट में सम्मानित किया। विकास क्षेत्र पूरनपुर के प्राइमरी स्कूल चोखा पुरी के प्रधानाध्यापक मुनीश कुमार भारद्वाज को स्वच्छ हरित विद्यालय पुरस्कार मिलने पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, सीडीओ सतीश प्रसाद मिश्रा ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह की मौजूदगी में स्मृति चिन्ह देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्राइमरी स्कूल चोखा पुरी विद्यालय को स्वच्छ हरित विद्यालय पुरस्कार के लिए पहले जिला स्तर पर कई स्कूलों की प्रति स्पर्धा में जिले का नंबर वन स्कूल चयनित किया गया। उसके बाद राज्य स्तर पर सभी मानकों पर स्कूल खरा उतरने के बाद बनारस में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान प्रधानाध्यापक मुनीश कुमार भारद्वाज को गांधी सभागार में सम्मानजनक तरीके से बुलाकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जब चोखा पुरी स्कूल ने इतनी बढ़िया परफॉर्मेंस दी है तो फिर बाकी स्कूल पीछे क्यों हैं ? स्वच्छ हरित विद्यालय पुरस्कार में राष्ट्रीय स्तर पर प्राइमरी स्कूल चोखा पुरी ने 25 वीं रैंक पाई है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के लिए एक गौरव की बात है कि तराई के जंगल से सटे गांव चोखा पुरी के स्कूल में जो संसाधन है, वह देखने लायक हैं। प्रधान अध्यापक के व्यक्तिगत प्रयासों का यह परिणाम है। जिले के अन्य स्कूल भी चोखा पुरी स्कूल से प्रेरणा लें और आगे बढ़े। इस दौरान जिले भर के खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मलिहाबाद में जमीन विवाद को लेकर पीड़ित परिवार ने लगाया पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप, जान का खतरा बताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम रामपुर बस्ती में जमीन विवाद का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय पुलिस लीपापोती कर रही है और उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। परिवार का कहना है कि उन्हें अपनी जान का खतरा बना हुआ है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार के अनुसार, परिवार के सदस्य करन रावत, धर्म रावत, राजवीर रावत, नैना रावत इस विवाद से प्रभावित हैं। उनका आरोप है कि गांव में जहां एक बिस्वा जमीन की कीमत करीब 5 लाख रुपये है, वहीं उनके बड़े भाई को शराब पिलाकर बहला-फुसलाकर बेहद कम कीमत पर जमीन का बैनामा करा लिया गया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में ग्राम प्रधान रामशंकर की भूमिका संदिग्ध रही और उन्होंने साजिश के तहत जमीन का बैनामा कराया। और पूरा पैसा हड़प कर लिया उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष आर्थिक एवं दस्तावेजी जांच कराई जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। परिवार का यह भी आरोप है कि मलिहाबाद थाने में मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि एक दरोगा, जिसका वर्तमान में संबंधित हल्के से तबादला हो चुका है, फिर भी उन्हें फोन कर थाने बुला रहा है और जांच के नाम पर दबाव बना रहा है। पीड़ितों ने सवाल उठाया कि यदि जांच दस्तावेजों और बैंक खातों से संबंधित है तो उन्हें बार-बार थाने बुलाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि पूरे मामले में बैंक खातों, जमीन के बैनामे और अन्य दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है, जिससे परिवार भय के माहौल में जी रहा है द्य मामले की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

पीड़ित परिवार के अनुसार, परिवार के सदस्य करन रावत, धर्म रावत, राजवीर रावत, नैना रावत इस विवाद से प्रभावित हैं। उनका आरोप है कि गांव में जहां एक बिस्वा जमीन की कीमत करीब 5 लाख रुपये है, वहीं उनके बड़े भाई को शराब पिलाकर बहला-फुसलाकर बेहद कम कीमत पर जमीन का बैनामा करा लिया गया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में ग्राम प्रधान रामशंकर की भूमिका संदिग्ध रही और उन्होंने साजिश के तहत जमीन का बैनामा कराया। और पूरा पैसा हड़प कर लिया उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष आर्थिक एवं दस्तावेजी जांच कराई जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। परिवार का यह भी आरोप है कि मलिहाबाद थाने में मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि एक दरोगा, जिसका वर्तमान में संबंधित हल्के से तबादला हो चुका है, फिर भी उन्हें फोन कर थाने बुला रहा है और जांच के नाम पर दबाव बना रहा है।

पत्रकारिता से शिक्षा जगत तक: वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा बने टीजीटी हिंदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। निगोहां क्षेत्र में वर्षों से पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम करते हुए उत्तर प्रदेश टीजीटी परीक्षा-2022 में हिंदी विषय के सहायक अध्यापक (इंटर कॉलेज) पद पर सफलता हासिल की है। उनके चयन की खबर मिलते ही निगोहां और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया तथा शुभचिंतकों ने उनके आवास पहुंचकर बधाई दी। मुकेश मिश्रा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता एवं काशीश्वर इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बृजेश कुमार मिश्र, माता, बड़े भाई मनोज मिश्र, गुरुजनों तथा शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज स्थित 'हिंदी संसार ऑनलाइन' के निदेशक डॉ. अशोक स्वामी के मार्गदर्शन में नियमित और योजनाबद्ध तैयारी के परिणामस्वरूप उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उनका मानना है कि शिक्षा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। चयन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला, एसीपी रजनीश वर्मा, निगोहां थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार, इंस्पेक्टर राम आशीष उपाध्याय, प्रधानाचार्य डॉ. रितेश मिश्र, डॉ. रामराजन द्विवेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी, प्रधान अभय दीक्षित सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यदि चाहें, इसे हिन्दुस्तान अखबार की स्थानीय रिपोर्टिंग शैली में और भी अधिक प्रभावशाली तथा प्रथम पृष्ठ स्तर की भाषा में तैयार किया जा सकता है।

मुकेश मिश्र ने बताया कि 'यह सफलता मेरे माता-पिता, बड़े भाई, गुरुजनों और सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद, विश्वास एवं सहयोग का परिणाम है। विशेष रूप से 'हिंदी संसार ऑनलाइन', प्रयागराज के निदेशक डॉ. अशोक स्वामी के मार्गदर्शन ने मेरी तैयारी को सही दिशा दी। शिक्षक के रूप में मेरा प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को गुणवाापूर्ण शिक्षा, अच्छे संस्कार और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित कर सकूं। मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिमेदारियों का निर्वहन करूंगा।

जाति के नाम पर गाली देने वाले देश के गद्दार हैं : भारतीय जन समाज पार्टी

'पहले जातियां मिटाओ, फिर आरक्षण हटाओ - हम समर्थन करेंगे' : बृजमोहन सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने आज जाति के नाम पर अपमानजनक नारे देने वालों की कड़ी निंदा करते हुए देश में 'सामाजिक समानता' का रोडमैप पेश किया। अध्यक्ष जी का बयान: 'कुछ अनुभवहीन और बुद्धि के अभाव वाले लोगों ने 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूता चार' जैसा घटिया नारा दिया है। ये लोग समाज में नफरत फैलाकर अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। ' 'पहले इन्हें अपनी बुद्धि शुद्ध करनी चाहिए। ये भूल गए हैं कि इस देश में हर धर्म, हर जाति के लोग मिलकर रहते हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, दलित, पिछड़ा - सब भारत माता की संतान हैं। किसी की जाति को लेकर गाली देना सबसे बड़ा पाप और देशद्रोह है।'

भारतीय जन समाज पार्टी का 'राष्ट्रीय एकता एजेंडा ':

1. कानूनी कार्रवाई - जाति के नाम पर गाली-गलौज और नफरती नारों पर NSA लगाया जाए। सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट पर तुरंत FIR हो। 2. पहले जातियां मिटाओ - सरकारी दस्तावेजों, स्कूल फॉर्म से 'जाति' कॉलम हटे। सिर्फ 'भारतीय' लिखा जाए। अंतरजातीय विवाह पर सरकार 10 लाख दे। 3. फिर आरक्षण हटाओ - जब देश में 100% सामाजिक बराबरी आ जाए, तब जाति आधारित आरक्षण की समीक्षा हो। BJSP इस समर्थन करेगी। 4. आर्थिक आधार पर मदद - आरक्षण गरीबी से लड़ाई है, जाति से नहीं। गरीब जनरल को भी मिले, अमीर को नहीं। **डॉ. कलाम और डॉ. अंबेडकर का हवाला:** अध्यक्ष जी ने कहा 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना था 'विकसित भारत' और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का सपना था 'भेदभाव मुक्त भारत'। नफरत के नारे देने वाले दोनों महापुरुषों के सपनों के दुश्मन हैं। '

भारतीय जन समाज पार्टी के नारे:

1. 'जाति तोड़ो, भारत जोड़ो ',2. 'गाली नहीं, गले लगाओ ',3. 'पहले समानता, फिर समीक्षा ' , 4. 'न कोई अगड़ा, न कोई पिछड़ा - सब भारत के लाड़ला' भारतीय जन समाज पार्टी सरकार से मांग करती है कि 30 दिन में 'सामाजिक सद्भाव कानून' लाया जाए और स्कूलों में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पाठ्यक्रम अनिवार्य किया जाए। 'हम बंटेंगे तो कटेंगे। हम एक रहेंगे तो विश्वगुरु बनेंगे। '

आरएसएस नेता की जंतर मंतर आंदोलन पर अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी,जाँच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आरएसएस विचारक और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व राज्य बौद्धिक सेल के प्रमुख टी.जी. मोहनदास के अत्यंत आपत्तिजनक और हिंसक बयानों को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले पर राजनीतिक व सामाजिक प्रतिक्रियाओं के बाद केरल पुलिस ने जांच के आदेश दे दिए हैं।ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन (AIYF) के नेता टी.टी. जिस्मन, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (AISF), और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) के महासचिव वी.एम. अलियार समेत कई नेताओं ने केरल के राज्य पुलिस प्रमुख और गृह मंत्री के समक्ष आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायतों में कहा गया कि मोहनदास के बयान शांतिपूर्ण और संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रदर्शनों पर सीधा हमला हैं तथा ये हिंसा भड़काने, भय फैलाने और अराजकता को बढ़ावा देने वाले हैं।शिकायतों का संज्ञान लेते हुए केरल गृह विभाग ने मामले की जांच साइबर सेल के आईजी पी. प्रकाश को सौंपी है। आरोप है कि टी.जी. मोहनदास ने अपने यूट्यूब चैनल 'पत्रिका' (Pathrika) पर जारी एक वीडियो में कहा कि यदि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहे छात्र आंदोलनों को रोकने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई होती, तो वे कठोरतम हिंसक कार्रवाई करते। मोहनदास के अनुसार, 'मैं जंतर-मंतर के 4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ्यू लगा देता। फिर लाउडस्पीकर पर भीड़ को हटने की तीन चेतावनियां देता। इसके बाद गोली चलाने का आदेश देता। लोग इधर-उधर भागते, कुछ मरते, कुछ गंभीर रूप से घायल होते। चार घंटे के भीतर स्थिति शांत हो जाती और फिर हम शवों को उठाकर अस्पताल पहुंचा देते। ' एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्होंने आंदोलन में शामिल महिला प्रदर्शनकारियों को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 'वहां सामूहिक बलात्कार और हत्याएं होंगी। बलात्कार की कोई शिकायत दर्ज नहीं होगी, क्योंकि प्रदर्शनों में शामिल होने वाली धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी महिलाएं बलात्कार पसंद करती हैं। ' री विरोध के बीच RSS के केरल इकाई के पदाधिकारियों ने मोहनदास के बयानों से खुद को अलग कर लिया। संघ ने स्पष्ट किया कि मोहनदास संगठन के किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं और ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं। संघ ने इन बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की। कांग्रेस पार्टी ने इन बयानों को 'घृणास्पद और महिला विरोधी मानसिकता' का प्रतीक बताते हुए तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, DYFI के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद ए.ए. रहीम ने भी कहा कि इस मामले से राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर निपटा जाएगा। टी.जी. मोहनदास पेशे से इंजीनियर और वकील रहे हैं। वे केरल में भाजपा और संघ परिवार से जुड़े बौद्धिक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं तथा भाजपा के राज्य बौद्धिक प्रकोष्ठ (Intellectual Cell) के संयोजक भी रह चुके हैं। कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, तिरुवनंतपुरम से ग्रेजुएशन करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियर के तौर पर उन्होंने महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड और केल्ट्रॉन के साथ काम किया है।

ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के नेता टी.टी. जिस्मन, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन , और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के महासचिव वी.एम. अलियार समेत कई नेताओं ने केरल के राज्य पुलिस प्रमुख और गृह मंत्री के समक्ष आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की।

62 साल की उम्र में, वे गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, एर्नाकुलम में रेगुलर स्टूडेंट थे। बहरहाल, अब वो यूट्यूब चैनल चलाते हैं। दिनेश बिवाल और विकास बिवाल उन 13 आरोपियों में शामिल हैं जिन्हें सीबीआई ने तय परीक्षा की तारीख से पहले नीट-यूजी पेपर लीक करने के कथित अपराध में गिरफ्तार किया था। सभी आरोपी 6 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं। 12 मई को एक सरकारी अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। 23 जुलाई को राऊज एवेन्यू कोर्ट में 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) एक्ट-2024' और इससे जुड़े अन्य अपराधों की सुनवाई के लिए एक फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाई गई। इससे जुड़े सभी मामले फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

श्री राम जानकी मंदिर में अखंड पाठ, हवन पूजन गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति का हुआ आयोजन

पूरनपुर (पीलीभीत)। श्रीराम जानकी मंदिर पर गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में हुए अखण्ड पाठ के पश्चात हवन पूजन गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पूरनपुर के रामलीला मैदान के सामने श्रीराम जानकी मंदिर के महंत बाबा राघवदास के द्वारा गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में 28 जुलाई से अखण्ड पाठ का शुभारंभ हुआ था। अखण्ड पाठ के पश्चात हवन पूजन, गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक कार्यक्रम का समापन हो गया। महंत बाबा राघवदास ने भोग लगाकर भंडारे का शुभारंभ किया। महंत बाबा राघवदास ने दूर-दराज से आए हुए सन्त महात्माओं का स्वागत किया। भंडारे में कई जिलों के महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया।

राम मंदिर चंदा गबन मामला: सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी में फॉरेंसिक ऑडिटर जोड़ने का दिया निर्देश, मांगी स्टेटस रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को मिले चंदे के कथित गबन के आरोपों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) में एक फॉरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, अदालत ने SIT से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। चीफ़ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की खंडपीठ राम मंदिर को मिले चंदे के कथित गबन की सीबीआई जांच और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन के ऑडिट की मांग वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के आईजी एस. किरण की अध्यक्षता में एक स्ढ्ढञ्ज गठित की है। खंडपीठ के सुझाव पर उन्होंने फॉरेंसिक ऑडिटर को भी जांच में शामिल करने पर सहमति जताई।

याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने दलील दी कि देशभर से राम मंदिर निर्माण के लिए प्राप्त चंदे का ऑडिट होना चाहिए और ट्रस्ट को प्राप्त राशि का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि दानदाताओं को पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इस पर चीफ़ जस्टिस ने कहा कि फिलहाल अदालत का पूरा ध्यान तेज और गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करने पर है।

उन्होंने कहा कि SIT अपनी रिपोर्ट दाखिल करे, उसके बाद पारदर्शिता और अन्य सुधारात्मक उपायों पर विचार किया जाएगा।

सुप्रीमकोर्ट का मानना है कि जब मामला करोड़ों रुपये के दान और उसके इस्तेमाल से जुड़ा हो, तब केवल आपराधिक जांच पर्याप्त नहीं होती।पैसों का पूरा हिसाब भी वैज्ञानिक तरीके से खंगालना जरूरी होता है। यही वजह है कि इस मामले में फॉरेंसिक ऑडिटर की भूमिका चर्चा में आ गई है।

प्रदर्शनकारी छात्रों को सुप्रीम राहत, एफआईआर पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शनों से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने पैलेट गन के इस्तेमाल, इलेक्ट्रिक बैटन, गंभीर रूप से घायल प्रदर्शनकारियों, वकीलों और मीडिया कर्मियों पर हमलों जैसे मुद्दों का उल्लेख किया। प्रदर्शनकारियों को कोर्ट से राहत मिली है। स्ह्ढक्र पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है और साथ ही केंद्र समेत 7 राज्यों को नोटिस जारी किया गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सभी मामलों में लगभग समान मुद्दे सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि याचिकाओं में पैलेट गन के इस्तेमाल से एक 19 वर्षीय युवक की आंखों की रोशनी जाने, इलेक्ट्रिक बैटन के कथित उपयोग, एक युवती के गंभीर रूप से घायल होकर आईसीयू में भर्ती होने, वकीलों के साथ मारपीट और एक पत्रकार पर हमले जैसे आरोप शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इन मामलों पर लंबी बहस की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विवाद का मूल मुद्दा स्पष्ट है। उन्होंने यह भी दोहराया कि छात्र अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे और शांतिपूर्ण विरोध करना मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हालिया छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की सभी घटनाओं की निष्पक्ष, पारदर्शी और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जा सकता है।शीर्ष अदालत ने कहा कि 'निर्धारित प्रोटोकॉल' का उल्लंघन होने पर कानून को अपना काम करना चाहिए। सुनवाई के शुरुआत में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की सदस्यता वाली पीठ ने सवाल किया कि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच क्यों नहीं होनी चाहिए।प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।'' वकीलों की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा कि विरोध कर रहे नीट छात्रों पर पुलिस की ज्यादतियों से जुड़े सभी आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच जरूरी है।

ग्राम पंचायत शेरपुर कलां में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत शासन द्वारा प्रशासक बनाए जाने के बाद गांव के मुखिया द्वारा ग्राम वासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की नीयत से निरंतर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में गांव में लगे कूड़े के ढेर को जेसीबी से हटवा कर निस्तारण हेतु गांव के बाहर फिकवाया गया है। ग्राम पंचायत शेरपुर कलां ग्राम पंचायत शेरपुर कलां में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान गांव के मुख्य किनारों और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय से पड़े कूड़े के ढेरों को हटाकर क्षेत्र को साफ-सुथरा और सुगम बनाया गया। सफाई अभियान की कमान प्रशासक प्रधान जाने आलम खान और ग्राम पंचायत सदस्य सैफ रजा मोन्टू वार्ड मेंबर शकूर मो0 ने संभाली। गांव के किनारे जमा कूड़े और गंदगी को साफ करने के लिए जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया गया। जेसीबी के जरिए भारी मात्रा में कूड़े को उठाकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरवाया गया और फिर उसे गांव की सीमा से काफी दूर सुरक्षित स्थान पर फेंकवाया गया, ताकि गांव में किसी प्रकार की दुर्गंध या बीमारी फैलने का खतरा न रहे। विशेष सफाई अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्हें स्वच्छता का महत्व समझाया। ग्राम प्रधान जाने आलम खान ने ग्रामीणों से अपील की कि वह अपने घरों के आस-पास गंदगी न फैलने दें और कूड़े को निश्चित स्थानों या कूड़ेदानों में ही डालें।

घर में घुसकर युवती व परिजनों से मारपीट सात नामजद समेत अन्य पर मुकदमा दर्ज

.......आपसी विवाद में महिलाओं से मारपीट का आरोप, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच; आरोपियों की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के हुलासखेड़ा गांव में आपसी विवाद के चलते घर में घुसकर युवती व उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हुलासखेड़ा गांव निवासी अंजली पुत्री स्वर्गीय सोहनलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार देर शाम वह अपनी बहन कविता और मां मुन्नी के साथ घर पर मौजूद थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले श्यामू, राजू, राहुल, सुशील, दीपांशु, रिया, रूपरानी, चंदन समेत अन्य लोग घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर अंजली, उसकी बहन और मां के साथ मारपीट कर दी, जिससे तीनों घायल हो गईं। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच के साथ आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के तहत संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के पास दो बच्चों को बाल श्रम से कराया मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। अभियान के तहत संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के पास दो बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया। इस दौरान टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया। वहीं बच्चों के परिजनों को भी भविष्य में उनसे बाल श्रम न कराने की हिदायत दी। जिलाधिकारी के निर्देश पर पीलीभीत रेलवे स्टेशन परिसर के आस-पास बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संयुक्त टीम ने दो बालकों को बाल श्रम से मुक्त कराकर अग्रिम कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया। बाल कल्याण समिति ने दोनों बच्चों के परिजनों को भविष्य में बच्चों से बाल श्रम नहीं कराने की सख्त हिदायत देते हुए उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अभियान के दौरान आस-पास के प्रतिष्ठानों के संचालकों को भी बाल श्रम न कराने की चेतावनी दी गई। श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला ने बताया कि बाल श्रम कराने वाले सेवायोजकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला एवं अंजू अग्रवाल के निर्देशन में चलाया गया। संयुक्त टीम में चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, एएचटी प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह, जीआरपी प्रभारी ओम कुमार, आरपीएफ के एएसआई, कांस्टेबल अमित तथा महिला कांस्टेबल संध्या गहलोत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।